धनबाद, मंगलवार
29 सितंबर 2026
वर्ष : 04 अंक : 01
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

यौन उत्पीडन केस में बृजभूषण को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें फिर से बढ़ सकती है। महिला पहलवानों ने एक बार फिर यौन उत्पीडऩ मामले में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

बृजभूषण सिंह के बरी होने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस अपील पर बृजभूषण और विनोद तोमर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने सोमवार नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। महिला पहलवानों का तर्क है कि निचली अदालत का फैसला रूढ़िवादी और घिसी-पिटी धारणाओं पर आधारित है। साथ ही डब्ल्यूएफआई के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर को क्रिमिनल धमकी के चार्ज से बरी करने के फैसले को भी चुनौती दी है। कोर्ट ने बृजभूषण और विनोद तोमर को 3 अगस्त को बरी कर दिया था।

बुलेट ट्रेन के लिए महाराष्ट्र में पहला स्टील पुल तैयार, 1,405 टन है वजन

नई दिल्ली, (एजेंसी) : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र में पहला स्टील पुल तैयार कर लिया गया है। 100 मीटर लंबा और 1,405 टन वजनी यह पुल ठाणे जिले के भिवंडी में डाइव-अंजुर गांव के पास नासिक हाईवे (राष्ट्रीय राजमार्ग-3) पर बनाया गया है।इस पुल को करीब 1,300 किलोमीटर दूर तमिलनाडु के त्रिची में तैयार किया गया। इसके बाद इसे बड़े ट्रेलरों से महाराष्ट्र लाया गया और यहां जोड़कर निर्धारित स्थान पर स्थापित किया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह काम देश में बड़े और जटिल इस्पात ढांचे तैयार करने की बढ़ती क्षमता को दिखाता है।

पुल बनाने के दौरान स्टील की कटाई, ड्रिलिंग, वेल्डिंग और पेंटिंग का काम तय मानकों के अनुसार किया गया। इस्तेमाल किए गए स्टील के प्रत्येक बैच की अल्ट्रासोनिक जांच की गई। वेल्डिंग और निगरानी के काम में लगे कर्मचारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित किया गया था।

बड़ी डिग्री नहीं, बड़ा उद्देश्य जीवन को बनाता है बड़ा : राज्यपाल

रांची,(एजेंसी) : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखें, बल्कि बड़े उद्देश्य के लिए करें। उन्होंने कहा कि बड़ी डिग्री से बड़ा जीवन नहीं बनता, बल्कि बड़ा उद्देश्य जीवन को बड़ा बनाता है। राज्यपाल सोमवार को झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेयूटी), रांची के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी ऐसे समय में विश्वविद्यालय से निकल रहे हैं, जब विज्ञान और तकनीक मानव जीवन एवं कार्यक्षेत्र को तेजी से बदल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं उभर रही हैं। वहीं, डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और डीपफेक जैसी चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे में भविष्य केवल तकनीकी दक्षता रखने वालों का नहीं, बल्कि तकनीक का उपयोग विवेक, नैतिकता और मानवीय मूल्यों के साथ करने वालों का होगा।

राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी शिक्षा विद्यार्थियों को समस्याओं को समझने और उनके व्यावहारिक समाधान खोजने की क्षमता देती है। इसलिए लक्ष्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपने ज्ञान और कौशल के माध्यम से नए अवसर और रोजगार का सृजन करना भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर नवाचार एक सवाल से शुरू होता है कि किसी चीज को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है। निरंतर सीखना, प्रश्न पूछना और नई संभावनाओं की तलाश करना ही प्रगति का आधार है। विद्यार्थियों को समस्या के कारण के साथ-साथ उसके समाधान पर भी विचार करना चाहिए।राज्यपाल ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों के साथ युवा प्रतिभा और व्यापक संभावनाओं से समृद्ध राज्य है। जेयूटी को अपने तकनीकी ज्ञान और अनुसंधान को राज्य की वास्तविक जरूरतों से जोड़ना चाहिए। जल, ऊर्जा, खनन, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण, ग्रामीण विकास और जनजातीय क्षेत्रों में तकनीक आधारित स्थानीय समाधान विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रयोगशाला का ज्ञान धरातल की जरूरतों से जुड़ता है, तभी तकनीक की वास्तविक शक्ति सामने आती है।राज्यपाल ने विद्यार्थियों से तकनीकी दक्षता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी को भी समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि तकनीकी ज्ञान तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग समाज और राज्य की समस्याओं के समाधान में किया जाए। झारखंड की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने से शिक्षा और तकनीक का लाभ व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाया जा सकता है।

अशोक सिंहल का जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पण का उदाहरण : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंहल को उनकी जन्मशती पर याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सिंहल के संगठनात्मक कौशल, सामाजिक समरसता के प्रति प्रतिबद्धता और राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका को भी स्मरण किया।

प्रधानमंत्री ने एक लेख में कहा कि सिंहल का जीवन इस भावना का उदाहरण था कि व्यक्ति को अपनी उपलब्धियों से अधिक लोक कल्याण के लिए समर्पित जीवन को महत्व देना चाहिए। उन्होंने एक सुभाषित का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह वृक्ष अपने फल और नदी अपना जल अपने लिए नहीं रखते, उसी तरह संत स्वभाव के लोग दूसरों की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं।

मोदी ने कहा कि 27 सितंबर से अशोक सिंहल की जन्मशती वर्ष की शुरूआत हुई है। उन्होंने सिंहल के साथ अपने लंबे जुड़ाव और व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए 1981 का एक प्रसंग याद किया, जब उन्हें सिंहल का हाथ से लिखा पत्र

मिला था। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंहल देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की यात्राएं करते थे और वंचित तथा अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए लगातार काम करने पर विचार करते रहते थे। वर्ष 2001 के कच्छ भूकंप के बाद उनके साथ का अनुभव भी उन्होंने याद किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संपन्न परिवार से आने के बावजूद सिंहल ने अलग मार्ग चुना और समाज तथा संस्कृति के लिए अपना जीवन समर्पित किया। प्रयागराज और काशी से उनके जुड़ाव का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि सिंहल का आध्यात्मिक साधना, शिक्षा, विशेषकर वैदिक शिक्षा और संगीत से गहरा लगाव था। उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और एकल विद्यालय की पहल से भी जुड़े थे।

मोदी ने सिंहल के संगठनात्मक कौशल का उल्लेख करते हुए 1993 में अमेरिका में आयोजित स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन की शताब्दी से जुड़े सम्मेलन और वर्ष 2000 में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में हुए विश्व हिंदू सम्मेलन के प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि सिंहल अपने सहयोगियों के प्रति स्नेह रखते थे और उनका प्रोत्साहन कार्यकताओं में नई ऊर्जा भर देता था।राम जन्मभूमि आंदोलन में सिंहल की भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1991 की बोट क्लब रैली में उनका संबोधन और आंदोलन के दौरान घायल अवस्था की तस्वीर लंबे समय तक स्मरण में रही। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के पीछे सिंहल जैसी विभूतियों का समर्पण रहा। मोदी ने सामाजिक समरसता पर सिंहल के जोर का भी उल्लेख किया और कहा कि वह समाज में भेदभाव के खिलाफ थे तथा सभी को समान गरिमा और सम्मान देने के पक्षधर थे।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का टीएमसी पर हमला, बोले- 6,700 कंपनियां बंद हुई, निवेश और रोजगार पर होगा जोर

कोलकाता, 28 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षों के शासनकाल के दौरान बड़े पैमाने पर पूंजी का पलायन हुआ और राज्य में लगभग 6,700 कंपनियां बंद हो गईं। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में भाजपा सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता निवेश के अनुकूल माहौल बनाना और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करना है।

कोलकाता में आयोजित 'युवा संवाद कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने पूर्ववर्ती सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, ॠटीएमसी के 15 साल के शासन के दौरान पश्चिम बंगाल में करीब 6,700 कंपनियों पर ताला लग गया। इस अवधि में राज्य से पूंजी का भारी

पलायन हुआ। राज्य में हमारी सरकार की प्राथमिकता एक ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करने की होगी, जिससे यहां बड़े पैमाने पर निवेश लाया जा सके और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हों।

राज्य में हुए हालिया सत्ता परिवर्तन का जिक्र करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि 4 मई को जब विधानसभा चुनावों में भाजपा ने टीएमसी को शिकस्त दी, तो पश्चिम बंगाल में एक ॠनई सुबहॠ (नया सवेरा) की शुरूआत हुई। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि अब नई सरकार के तहत उनकी सभी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा किया जाएगा।

रांची को देश के प्रमुख आईटी हब के रूप में विकसित करने की दिशा में निर्णायक पहल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आज मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से श्री दीपक छाबड़िया ने मुलाकात की। इस दौरान झारखंड में अत्याधुनिक विकसित करने, की स्थापना तथा तकनीकी एवं औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग, न्यूक्लियर एनर्जी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही रांची को के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक अधोसंरचना एवं उद्योग-अनुकूल वातावरण तैयार करने के विषय पर भी चर्चा हुई।

2029 तक की शुरूआत, प्रथम चरण में 20 हजार और अगले तीन वर्षों में 75 हजार रोजगार सृजन का लक्ष्य इससे राज्य के स्थानीय एवं प्रतिभाशाली युवाओं को तकनीकी और

उच्च-कौशल आधारित रोजगार के नए अवसर प्राप्त होने की संभावनाएं हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए क्क्ष्ट फ्ल्लॅ, नए विधानसभा परिसर एवं हाईकोर्ट परिसर के निकट उपलब्ध लगभग 100 एकड़ भूमि को संभावित स्थल के रूप में विकसित करने पर विचार किया जा रहा है। प्रस्तावित क्ळ ढं१' में आधुनिक कार्यालय एवं डिजिटल अधोसंरचना के साथ वैश्विक स्तर की तकनीकी कंपनियों और संस्थानों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने की परिकल्पना है। यह पहल झारखंड की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने तथा रांची को के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के विजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

झारखंड में और उभरती तकनीकों के क्षेत्र में निवेश को मिलेगा बढ़ावाबैठक के दौरान की स्थापना की संभावनाओं पर भी विशेष चर्चा हुई।

बेतला नेशनल पार्क में पांच हिरणों का शिकार, तीन गिरफ्तार-चार फरार

पलाम(एजेंसी) : पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण कानूनों का कड़ाई से पालन कराते हुए वन विभाग ने अवैध शिकार के एक बड़े मामले का सोमवार को उद्भेदन किया है। पार्क क्षेत्र में पांच हिरणों का शिकार किए जाने की गंभीर घटना में संलिप्त तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पकड़े गए आरोपितों में सुरेन्द्र राम, संतोष सिंह और सीताराम सिंह शामिल हैं। सभी मुरु गांव के निवासी हैं।

शिकारियों ने जंगल के अंदर लोहे के तार से बने फंदों का इस्तेमाल कर वन्यजीवों को निशाना बनाया। वन विभाग की टीम ने गश्त और पेट्रोलिंग के दौरान घटनास्थल से शिकार के अवशेष और फंदे बरामद किए हैं।

मामले की त्वरित और गहन जांच के लिए पीटीआर की आधुनिक तकनीक और एआई टूल्स का इस्तेमाल किया गया। आरोपितों के घरों से शिकार में प्रयुक्त फंदा और हथियार भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपितों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य चार फरार आरोपितों की तलाश के लिए युद्धस्तर पर छापेमारी और अनुसंधान जारी है।

यह जानकारी पलामू टाइगर रिजर्व के कार्यालय उप निदेशक ने सोमवार को दी।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड-बिहार के विद्यालयों से पहुंचे छात्र, मॉडल और प्रयोगों से दिखी प्रतिभा

रामगढ़, (एजेंसी) : शहर के गोला रोड स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में सोमवार को तीन दिवसीय क्षेत्रीय वैदिक गणित-विज्ञान मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में ज्ञान, विज्ञान और गणित के प्रति विद्यार्थियों की रुचि को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, विशिष्ट अतिथि विद्या भारती के संगठन मंत्री ख्याली राम, विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा, स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेश बगड़िया सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया।

मेले में विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक और गणितीय गतिविधियों, मॉडल और प्रदर्शों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रयोगात्मक शिक्षा, नवाचार और सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के साथ उन्हें अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर देना है।

तीन दिवसीय क्षेत्रीय विज्ञान-गणित मेले में झारखंड और बिहार के विभिन्न विद्यालयों से चयनित भैया-बहन हिस्सा ले रहे हैं। मेले में विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक सोच और नए प्रयोगों को प्रस्तुत करने के लिए मंच मिल रहा है। आयोजन को लेकर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों और शिक्षकों में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

साइबर अपराध से बचाव को लेकर छात्रों को किया गया जागरूक

रामगढ़, (एजेंसी) : एसपी मुकेश कुमार लुनायत के निर्देश पर सोमवार को बासल और भदानीनगर पुलिस ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के विद्यालयों में साइबर अपराध को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई।

पुलिस पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों के प्रति जागरूक करते हुए अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल, संदेश और ऑनलाइन लेन-देन के दौरान विशेष सावधानी बरतने की जानकारी दी। विद्यार्थियों से साइबर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की गई।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को किसी भी विकट या आपात परिस्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त करने के लिए डायल 112 का उपयोग करने की जानकारी दी गई। पुलिस ने कहा कि समय पर सूचना और सतर्कता से कई अप्रिय घटनाओं को रोका जा सकता है।

स्कूटी अनियंत्रित होकर नाले में गिरी, एक की मौत

पश्चिमी सिंहभूम, (एजेंसी) : पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी थाना क्षेत्र में सोमवार शाम हुए सड़क हादसे में चार छात्राएं घायल हो गईं। हादसा सूरजाबासा के पास नाले के समीप हुआ, जहां स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में जा गिरी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 19 वर्षीय रंजन कुजूर की सदर अस्पताल चाईबासा में इलाज के दौरान मौत हो गई।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार टाटा कॉलेज में पढ़ने वाली चार छात्राएं एक ही स्कूटी पर सवार होकर चाईबासा से झींकपानी घूमने जा रही थीं। इनमें मेरी टोला, चाईबासा निवासी रंजन कुजूर, 17 वर्षीय लीला मुनि डोंगरा, निवासी सगीति, चक्रधरपुर, 17 वर्षीय सुमित्रा करकुश, निवासी बड़ा गुईरा, सदर प्रखंड चाईबासा तथा रश्मि पूर्ति, निवासी मंझारी शामिल थीं। सूरजाबासा नाले के पास पहुंचने के दौरान अचानक स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया और चारों छात्राएं स्कूटी सहित नाले में जा गिरीं।हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्काल सभी छात्राओं को नाले से बाहर निकाला और इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने घायलों का उपचार शुरू किया, लेकिन रंजन कुजूर की हालत गंभीर होने के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं सुमित्रा करकुश और रश्मि पूर्ति की स्थिति सामान्य बतायी गयी है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों के परिजन उन्हें अपने गांव ले गए। लीला मुनि डोंगरा का इलाज सदर अस्पताल में जारी है।बताया गया कि हादसे के समय स्कूटी रंजन कुजूर चला रही थी। वह अपनी बहन की स्कूटी लेकर अन्य छात्राओं के साथ झींकपानी की ओर जा रही थी। रंजन की मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। छात्रा की मौत से परिजनों में मातम पसरा है। पुलिस ने घटना की जानकारी लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

वाहन जांच अभियान में 86 हजार का चालान, हटाए गए अनाधिकृत रूप से खड़े वाहन

खूंटी, (एजेंसी) : सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को जिले के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। उपायुक्त मो जावेद हुसैन के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान वाहनों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान प्रमुख मार्गों पर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया। वहीं वाहन चालकों से टैक्स, इंश्योरेंस, परमिट, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। मोटरवाहन अधिनियम का उल्लंघन करने वाले विभिन्न वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 86 हजार रुपये का चालान किया गया। परिवहन विभाग की ओर से वाहन मालिकों और चालकों से अपील की गई है

समुदाय की भागीदारी से मजबूत होगा बाल संरक्षण तंत्र : आनंद

खूंटी , (एजेंसी) : जिला बाल संरक्षण इकाई के तत्वावधान में चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीनी) के सहयोग से सोमवार को डीआर-डीए सभागार में जिला स्तरीय बाल संरक्षण अनुभव-साझाकरण और प्रसार बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिलादोन पंचायत में संचालित समुदाय नेतृत्व बाल संरक्षण कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों, उपलब्धियों और बाल संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में सामाजिक सुरक्षा कोषांग के प्रभारी आनंद कुमार ने कहा कि समुदाय की सक्रिय भागीदारी से बाल संरक्षण तंत्र को और मजबूत किया जा सकता है। जिला प्रशासन बच्चों के संरक्षण और उनके अधिकारों को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि जिले में कठिन परिस्थिति में रह रहे 120 बच्चों को वर्तमान में स्पॉन्सरशिप योजना के तहत प्रतिमाह चार हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। जल्द ही इस योजना से 200 बच्चों को जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पारिवारिक हित लाभ योजना के तहत जिले में 160 परिवारों को लाभ देने का लक्ष्य है। पात्र परिवारों को एकमुश्त 20 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्र के लोग प्रखंड स्तर पर आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा कठिन परिस्थितियों में रह रही लड़कियों के लिए खूंटी में हॉस्टल बनाने की दिशा में भी कार्य चल रहा है।जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो अल्ताफ खान ने कहा कि समुदाय नेतृत्व बाल संरक्षण बच्चों से जुड़े मुद्दों की पहचान कर उनके समाधान के लिए समुदाय को आगे लाने की प्रक्रिया है। पंचायत और प्रखंड स्तर पर बाल संरक्षण समितियों के गठन में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

खूंटी प्रमुख छोटूराय मुंडा ने बाल मजदूरी, बाल विवाह और स्कूल ड्रॉपआउट जैसी समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास और सुदूर क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष प्रीतिवंती मेरी मुंडरी ने कहा कि कठिन परिस्थिति में रहने वाले बच्चों की सूचना समिति को देने पर उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पंचायती राज विभाग की डीपीएम शशि किरण ने बताया कि ग्राम पंचायत विकास योजना में महिला एवं बाल सभा के माध्यम से बच्चों से जुड़े मुद्दों को शामिल किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से 02 अक्टूबर को होने वाली विशेष ग्राम सभा में अपनी मांग और सुझाव रखने की अपील की।इससे पूर्व सीनी के सुबोदीप अधिकारी ने सिलादोन पंचायत में संचालित कार्यक्रम की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी।मौके पर बाल कल्याण समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, किशोर-किशोरियां और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

एमजीएम में ऑनलाइन जुआ गिरोह का खुलासा, तीन गिरफ्तार

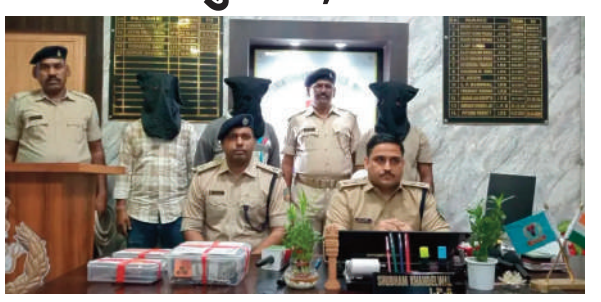

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : अपराध नियंत्रण और अवैध जुआ-सट्टा गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान एमजीएम थाना पुलिस ने ऑनलाइन जुआ संचालित करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सिमुलडांगा में एनएच-73 के किनारे एक सुनसान स्थान पर खड़ी अर्टिगा कार से तीनों को ऑनलाइन जुआ खेलते और उसका हिसाब-किताब दर्ज करते पकड़ा।

ग्रामीण एसपी शुभम खंडेलवाल ने सोमवार को बताया कि पुलिस टीम गश्ती पर थी। इसी दौरान संदिग्ध हालत में खड़ी अर्टिगा कार की जांच की गई। कार के अंदर तीन युवक मोबाइल फोन के जरिए ऑनलाइन लिंक पर जुआ खेल रहे थे और कॉपी में जुए से संबंधित स्कोर और लेन-देन का हिसाब लिख रहे थे। पूछताछ के दौरान पुलिस को ऑनलाइन जुआ संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले। पुलिस के अनुसार, आरोपित आईडी और पास-वर्ड के माध्यम से ऑनलाइन जुआ खेलते सहित अन्य लोगों को भी इसमें शामिल कर अवैध कमाई करते थे।

गिरफ्तार आरोपितों में विकास कुमार महतो, रोहित गुप्ता उर्फ सेठबाज उर्फ बिट्टू और कृष्णा कर्मकार शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से कुल 1,18,490 रुपये नकद, चार मोबाइल फोन, एक अर्टिगा कार, सोने-चांदी के आभूषण और ऑनलाइन जुआ का हिसाब-किताब लिखी कॉपी बरामद की है। बरामद नकदी में विकास कुमार महतो के पास से 97,920 रुपये, कृष्णा कर्मकार से 10,570 रुपये और रोहित गुप्ता से 10 हजार रुपये मिले हैं।

पुलिस ने मौके से आईफोन-13, आईफोन-17 प्रो मैक्स सहित चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इसके अलावा सोने की चेन, सोने की अंगूठी और चांदी का ब्रेसलेट भी बरामद किया गया है। जांच के दौरान आरोपितों के मोबाइल फोन से ऑनलाइन जुआ, सट्टा और आईपीएल गेम खेलने और खिलाने वाले नेटवर्क से जुड़े साक्ष्य मिलने की बात पुलिस ने कही है।

बिना निबंधन के चल रहे नर्सिंग होम को स्वास्थ्य विभाग ने किया सील

पलामू, (एजेंसी) : जिले के हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत दंगवार क्षेत्र में बिना वैध निबंधन और जरूरी मानकों के संचालित स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए प्रिया नर्सिंग होम को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। विभागीय कार्रवाई के बाद क्षेत्र में बिना निबंधन क्लिनिक और नर्सिंग होम संचालित करने वालों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, दंगवार क्षेत्र में नर्सिंग होम के मानकों के अनुरूप संचालन नहीं होने की शिकायतें स्वास्थ्य विभाग को मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संस्थान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान नर्सिंग होम के संचालन से संबंधित वैध निबंधन, आवश्यक दस्तावेज और निर्धारित चिकित्सकीय मानकों से जुड़े कागजात प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद विभाग ने क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों के तहत संस्थान को सील कर दिया।कार्रवाई के दौरान अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद के उपाधीक्षक डॉ शशि भूषण, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनेश कुमार, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विभूति कुमार गुप्ता, प्रखंड लेखा प्रबंधक सहित कार्यालय लिपिक मौजूद थे।विभाग की इस कार्रवाई से दंगवार सहित आसपास के क्षेत्रों में बिना निबंधन स्वास्थ्य केंद्र संचालित करने वालों में हड़कंप है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से इलाज के लिए पंजीकृत और अधिकृत अस्पतालों और चिकित्सकों का ही चयन करने की अपील की है।

टाटा मोटर्स कर्मचारियों को 14.03 प्रतिशत बोनस

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट के कर्मचारियों के लिए सोमवार को बोनस समझौते के साथ रोजगार के मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण फैसला हुआ। प्रबंधन और यूनियन के बीच हुई वार्ता के बाद कर्मचारियों को इस वर्ष 14.03 प्रतिशत बोनस देने पर सहमति बनी है। समझौते की जानकारी टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह और सलाहकार प्रवीण सिंह ने सोमवार को प्रेस वार्ता में दी।यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि समझौते के तहत कर्मचारियों को अधिकतम 87,543 रुपये तथा औसतन 53,787 रुपये बोनस मिलेगा। पिछले वित्तीय वर्ष में कर्मचारियों को 12.3 प्रतिशत बोनस मिला था। उस समय अधिकतम बोनस राशि 75,223 रुपये और औसत बोनस 50,160 रुपये था। इस लिहाज से इस वर्ष बोनस प्रतिशत के साथ ही अधिकतम और औसत भुगतान में भी वृद्धि हुई है।

बोनस समझौते के साथ जमशेदपुर प्लांट में 151 फुल टर्म अप्रेंटिस यानी एफटीए की नई बहाली पर भी प्रबंधन ने सहमति जताई है। यूनियन ने इसे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण निर्णय बताया। समझौते में कर्मचारियों के लिए 1,150 रुपये के टोकन गिफ्ट का भी प्रावधान किया गया है।

पिछले वर्ष करीब 1,200 बाइ सिक्स कर्मचारियों को 8.33 प्रतिशत बोनस दिया गया था, जबकि 225 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 15,085 रुपये की राशि दी गई थी। इस वर्ष के समझौते में स्थायी कर्मचारियों के बोनस के साथ रोजगार और अन्य सुविधाओं से जुड़े फैसले भी शामिल किए गए हैं।

प्रेस वार्ता में यूनियन नेताओं ने कहा कि बोनस समझौता कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्रबंधन और यूनियन के बीच हुई बातचीत के बाद बनी सहमति से कर्मचारियों में संतोष और खुशी का माहौल है।

यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों के हितों से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी प्रबंधन के साथ सकारात्मक बातचीत जारी रहेगी। 151 एफटीए की बहाली को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे कंपनी में नई प्रतिभाओं को अवसर मिलने के साथ युवाओं को रोजगार का रास्ता खुलेगा।

कृषि भूमि के उपयोग परिवर्तन पर अर्जुन मुंडा ने उठाए सवाल, श्वेत पत्र जारी करने की मांग

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने डोबो, कपाली और आसपास के अनुसूचित क्षेत्रों में कृषि भूमि के बदलते स्वरूप, बहुमंजिला भवनों के निर्माण और नदी क्षेत्र में हो रहे निर्माण को लेकर राज्य सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। सोमवार को निर्मल गेस्ट हाउस में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों के लिए संविधान में किए गए विशेष प्रावधानों को केवल राजस्व और निबंधन की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। भूमि उपयोग में बदलाव के साथ अनुसूचित क्षेत्र की सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को भी ध्यान में रखना जरूरी है।अर्जुन मुंडा ने कहा कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम और संविधान की पांचवीं अनुसूची के प्रावधानों के अनुरूप ही अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि के उपयोग और निर्माण गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

उन्होंने डोबो का उदाहरण देते हुए कहा कि पंचायती क्षेत्र में लगातार बहुमंजिला भवन बन रहे हैं। केवल यह आधार कि जमीन गैर-आदिवासी के नाम है, अनुसूचित क्षेत्र में मनमाने निर्माण का आधार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कृषि भूमि की रजिस्ट्री के समय ही उसके उपयोग का स्वरूप बदलने के बजाय बाद में संबंधित सक्षम प्राधिकारी से नियमानुसार अनुमति लेने की व्यवस्था होनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से अब तक कृषि भूमि के नेचर बदलने, भवन निर्माण और भूमि उपयोग परिवर्तन से संबंधित सभी अनुमतियों की समीक्षा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार ईमानदार है तो श्वेत पत्र जारी कर बताए कि किन अधिकारियों ने किस आधार पर अनुमति दी और नियमों के उल्लंघन के मामलों में क्या कार्रवाई हुई। उन्होंने ने कहा कि टाटा स्टील के कुछ अधिकारी भी इस कार्य में लगे हुए हैं।

मुंडा ने कपाली के परिसीमन, पेसा कानून, ग्रामसभा के अधिकार और अनुसूचित क्षेत्र की स्थिति में बदलाव पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इसका असर भविष्य में आदिवासी समुदाय के अधिकारों और प्रतिनिधित्व पर पड़ सकता है। दलमा क्षेत्र में बढ़ते निर्माण और हाथी कॉरिडोर पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है। स्वर्णरेखा और खरकई नदी के किनारे निर्माण की तकनीकी और पर्यावरणीय जांच की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ क्षेत्र में अनियोजित निर्माण भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

उन्होंने कहा कि वे विकास या रोजगार के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास कार्य संविधान, भूमि कानून और पर्यावरणीय प्रावधानों के अनुरूप होने चाहिए।प्रेस वार्ता में भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा, जिला महामंत्री राजीव सिंह, जितेंद्र राय और जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा मौजूद थे।

एसआईआर के विरोध में झामुमो ने किया मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन

देवघर, (एजेंसी) : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से सोमवार को देवघर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा ने किया।

मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा ने कहा कि एसआईआर के बहाने देश के करोड़ों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश की गई है। उन्होंने कहा कि इसका असर आने वाली पीढ़ियों के मतदान अधिकार पर भी पड़ सकता है।

संजय शर्मा ने कहा कि झामुमो इस मुद्दे पर अपना आंदोलन तब तक जारी रखेगा, जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की उनकी मांग पूरी नहीं होती। उन्होंने जनाधिकार और मतदाता सूची की पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठाए।

उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर एस-आईआर-2026 से संबंधित मतदाता सूची और नाम खोजने की सुविधा उपलब्ध है। आयोग के अनुसार मतदाता अपनी जानकारी की जांच कर सकते हैं और मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार अथवा आपत्ति से संबंधित सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल चंद्रवंशी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीलम देवी, सचिव दिनेश्वर किस्कू, महापौर रवि राउत, उप महापौर टिप चटर्जी, वरिष्ठ नेता सुरेश शाह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

अब बिना ऑनलाइन बुकिंग नहीं मिलेगा रासायनिक उर्वरक : बीडीओ

देवघर,(एजेंसी) : अर्णव चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश को सारठ प्रखंड के किसानों के लिए कृषि की दृष्टि से लाभकारी बताया जा रहा है। प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीडीओ) शशांक शेखर ने सोमवार को बताया कि वर्तमान बारिश से धान की खड़ी फसल को पर्याप्त पानी मिलने के साथ-साथ आगामी रबी मौसम में बोई जाने वाली फसलों के लिए भी खेतों में नमी बरकरार रहने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि सारठ प्रखंड में करीब 98 प्रतिशत धान और 97.5 प्रतिशत मक्के की खेती हो चुकी है। वर्तमान बारिश से दोनों फसलों को लाभ मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि फिलहाल अर्णव चक्रवात के कारण फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान होने का अनुमान नहीं है।

शशांक शेखर ने किसानों को आने वाले रबी मौसम के लिए नई उर्वरक व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल को इस वर्ष पायलट प्रोजेक्ट के तहत लागू किया जा रहा है। किसानों को उर्वरक खरीदने से पहले एफएफएस पोर्टल पर

पंजीकरण कराना होगा।

पंजीकरण के दौरान किसान को अपना आधार नंबर और जमीन का रकबा, खाता और खसरा संबंधी जानकारी दर्ज करनी होगी। इसके बाद पोर्टल पर किसान के नाम और भूमि विवरण के आधार पर उपलब्ध उर्वरक की मात्रा की जानकारी दिखाई देगी। इसमें यूरिया, डीएपी, एनपीके और एमओपी जैसे उर्वरक शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत किसान को उसकी आवश्यकता के अनुरूप ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा। पंजीकरण के करीब 24 घंटे बाद उर्वरक प्राप्त किया जा सकेगा।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने कहा कि इस नई व्यवस्था में किसान मित्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। किसान मित्र गांवों में घर-घर जाकर किसानों को जानकारी देंगे कि अब सीधे दुकान पर जाकर डीएपी, यूरिया या पोटाश खरीदने के बजाय निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीकरण कराना होगा।

उन्होंने उर्वरक विक्रेताओं को भी निदेशों का पालन करने की बात कही। दुकानदार किसानों से निर्धारित मूल्य लेकर उन्हें उचित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बीडीओ ने कहा कि एफएफएस पोर्टल का उद्देश्य किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराना और रासायनिक उर्वरकों के अनावश्यक इस्तेमाल को कम करना है। उन्होंने किसानों से जैविक और प्राकृतिक खाद के अधिक से अधिक उपयोग की अपील की। साथ ही उन्होंने इस नई व्यवस्था को सफल बनाने में जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग करने का आग्रह किया।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर के खिलाफ रणधीर वर्मा चौक पर कांग्रेस का प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआई आर और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस के देशव्यापी विरोध कार्यक्रम के तहत सोमवार को धनबाद में भी आक्रोश मार्च निकाला गया।जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता अधिकारों की सुरक्षा की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और निर्वाचन प्रक्रिया की स्वतंत्र समीक्षा की मांग उठायी है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ता पुराने कांग्रेस कार्यालय से मार्च पर निकाला। मार्च पुराने डीसी कार्यालय से होते हुए रणधीर वर्मा चौक पहुंचा। इस दौरान कार्यकताओं ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर को लेकर नारेबाजी की।

उप विकास आयुक्त ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने सोमवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ कोहिनूर मैदान स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम व वीवीपैट कक्ष के सील, सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। साथ ही रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उप विकास आयुक्त ने बताया कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ ईवीएम वेयरहाउस का यह तिमाही निरीक्षण है। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, झारखंड मुक्ति मोर्चा से लक्खी सोरेन, भारतीय जनता पार्टी से नरेन्द्र त्रिवेदी, इंडियन नेशनल कांग्रेस से संतोष कुमार सिंह, आजसू पार्टी से रतिलाल महतो, निर्वाचन शाखा के सागर कुमार (भजोहरि), राकेश महतो, शसाजल मंडल, रजाक अंसारी एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

प्लास्टिक की बोतलों में पौधरोपण करदिया रिसाइकिलिंग का संदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। स्वच्छता ही सेवा अभियान में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-2 कार्यालय में सोमवार को'वेस्ट टू आर्ट' (कचरे से कला) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संबंध में उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बताया कि इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य बेकार व अनुपयोगी सामग्री के पुनः उपयोग, रचनात्मकता को बढ़ावा देना और जनसाधारण में स्वच्छता के प्रति जागरूकता का प्रसार करना रहा। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय परिसर में पड़े पुराने और बेकार सामानों का संकलन कर कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मक सोच से कई आकर्षक व उपयोगी कलाकृतियों का निर्माण किया। इस दौरान कचरे से कंचन की अवधारणा को धरातल पर उतारने का प्रयास किया गया। वहीं पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम को लेकर कार्यक्रम में विशेष पहल देखने को मिली। प्रतिभागियों ने अनुपयोगी प्लास्टिक की खाली बोतलों को सुंदर गमलों का रूप देकर उनमें पौधे रोपे। इसके माध्यम से आमजन को यह संदेश दिया गया कि दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली सिंगल-यूज प्लास्टिक की बोतलों को फेंकने के बजाय उन्हें हरियाली बढ़ाने और पौधरोपण के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण भी इसका एक अभिन्न अंग है। इस तरह के आयोजनों से न केवल कार्यालय परिसर सुंदर और स्वच्छ बनता है, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम में प्रमंडल के अधिकारियों एवं कर्मियों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। मौके पर कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, जिला समन्वयक (जल जीवन मिशन) पवन कुमार गुप्ता, जिला समन्वयक (स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण) साहिला परवीन सहित विभाग के विभिन्न ग्रामों से बड़ी संख्या में आई जल साहिया दीदी मौजूद थे।

भू- धंसान के विरोध में 4 को प्रतिवाद सभा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भाकपा-माले पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने सोमवार को कहा कि कतरास क्षेत्र में हो रही भू-धंसान के मामले में बालू और कोयला घोटाले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर 4 अक्तूबर को कतरास थाना चौक पर प्रतिवाद सभा आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही जन आंदोलन की शुरूआत की जाएगी। हलधर महतो ने आरोप लगाया कि बीसीसीएल द्वारा कथित तौर पर साजिश के तहत बालू और कोयले से जुड़े घोटाले किए जा रहे हैं तथा प्राकृतिक संसाधनों को निजी घरानों को सौंपने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि ई-ब्लॉक प्रोजेक्ट के कारण पंचगढ़ी बाजार के भविष्य पर भी सवाल खड़ा हो गया है। इससे आम जनता और दुकानदारों में चिंता व भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि कतरास की जमीन और लोगों के हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होने दिया जाएगा। निजी औद्योगिक समूहों को लेकर उन्होंने कहा कि अदाणी समूह हो या अंबानी समूह, कतरास की धरती से उन्हें खदेड़ने के लिए आंदोलन किया जाएगा।

फहीम खान : एके 47 फायरिंग मामले में तीन अपराधी दोषी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद में गैंगस्टर फहीम खान के घर वर्ष 2004 में हुई अंधाधुंध फायरिंग के चर्चित मामले में करीब दो दशक बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय पारस कुमार सिन्हा की अदालत ने मामले में शाहिद आलम, शहादत हुसैन और शूटर तनवीर आलम को दोषी करार दिया है। अब तीनों आरोपितों की सजा के बिंदु पर अदालत तीन अक्टूबर को फैसला सुनाएगी।

मामला 29 जनवरी 2004 का है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, धनबाद के वासेपुर में गैंगस्टर फहीम खान के घर पर एके-47 से ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। अचानक हुई इस गोलीबारी के दौरान फहीम खान ने पड़ोसी की छत से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई थी।

इस अंधाधुंध फायरिंग में फहीम खान के बॉडीगार्ड बिहार के अरवल निवासी विनोद शर्मा की गोली लगने से मौत हो गई थी। वहीं, घटना के दौरान शाहिद आलम के पैर में भी गोली लगी थी।

इसमें फहीम खान ने पड़ोसी के घर की छत से कूद कर अपनी जान बचाई थी। हमले में फहीम के निजी बॉडी गार्ड विनोद शर्मा की मौत हो गई थी। एक हमलावर शाहिद आलम के पैर में गोली लगी थी। चर्चित मामले में करीब 22 वर्षों के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय पारस कुमार सिन्हा की अदालत ने फैसला सुनाया है। मामले में शाहिद आलम, शहादत हुसैन और कथित शूटर तनवीर आलम को दोषी करार दिया है। अब तीनों आरोपियों की सजा के बिंदु पर अदालत 3 अक्तूबर को फैसला सुनाएगी। मामला 29 जनवरी 2004 का है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, धनबाद के वासेपुर में गैंगस्टर फहीम खान के घर पर एके 47 से ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। अचानक हुई इस गोलीबारी के दौरान फहीम खान ने पड़ोसी की छत से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई थी। इस अंधाधुंध फायरिंग में फहीम खान के बॉडीगार्ड बिहार के अरवल निवासी विनोद शर्मा की गोली लगने से मौत हो गई थी। वहीं, घटना के दौरान शाहिद आलम के पैर में भी गोली लगी थी। इस मामले में साबिर आलम के भाई शाहिद आलम, वासेपुर निवासी शहादत हुसैन और पटना निवासी कथित शूटर तनवीर आलम के खिलाफ अदालत में लंबे समय तक ट्रायल चला। अब अदालत के इस फैसले के बाद सभी की नजरें 3 अक्टूबर पर हैं, जब जिला एवं सत्र न्यायालय तीनों दोषियों की सजा की अवधि को लेकर अपना फैसला सुनाएगा। इस संबंध में फहीम खान के छोटे भाई शेर खान ने बताया कि लंबे समय के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। बचाव पक्ष के अधिवक्ता सुबोध कुमार ने कहा कि उनके क्लाइंट अदालत के फैसले के विरोध में ऊपरी अदालत की शरण में जायेंगे।

सभी पात्र विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक डिग्री देने की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के कुलपति को पत्र सौंपकर तृतीय दीक्षांत समारोह में सभी पात्र उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक शामिल होने तथा डिग्री प्राप्त करने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। एबीवीपी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंशु तिवारी ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के वर्षों के परिश्रम और उपलब्धि का महत्वपूर्ण अवसर होता है। यदि समारोह में केवल टॉपर विद्यार्थियों को मंच पर डिग्री और मेडल प्रदान किया जाना है तथा अन्य पात्र विद्यार्थियों को डिग्री महाविद्यालय अथवा संबंधित विभाग के माध्यम से दी जानी है, तो पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और सम्मानजनक होनी चाहिए। वहीं, सुधांशु गुप्ता ने विश्वविद्यालय परिसर में चिकन समेत अन्य मांसाहारी खाद्य पदार्थों के सेवन को लेकर मिल रही शिकायतों का मामला उठाया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से खाद्य पदार्थों के सेवन को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि परिसर में स्वच्छता, अनुशासन और शैक्षणिक गरिमा बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। साथ ही खाद्य पदार्थों से निकलने वाले कचरे और अवशेषों के उचित निस्तारण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। एबीवीपी की प्रमुख मांगो में सभी पात्र उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में सम्मानपूर्वक शामिल होने का उचित अवसर दिया जाए।सभी पात्र विद्यार्थियों के लिए डिग्री वितरण की पारदर्शी एवं व्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।विश्वविद्यालय परिसर में खाद्य पदार्थों के सेवन को लेकर स्पष्ट नियम निर्धारित कर उनका पालन कराया जाए। खाद्य कचरे एवं अवशेषों के उचित निस्तारण की व्यवस्था की जाए।विद्यार्थियों एवं कैंटीन संचालकों को स्वच्छता, अनुशासन और विश्वविद्यालय की गरिमा बनाए रखने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं। एबीवीपी ने विश्वविद्यालय प्रशासन से दोनों विषयों पर शीघ्र संज्ञान लेते हुए छात्रहित, स्वच्छता, अनुशासन और विश्वविद्यालय की गरिमा को ध्यान में रखकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।मौके पर नितेश तिवारी, विशाल कुमार कश्यप, करीना कुमारी, अमित तिवारी, दिव्या सरस्वत, आयुषी कुमारी, सायना खातून और सुनीता कुमारी मौजूद थीं।

स्वच्छता ही सेवा अभियान में जल संरक्षण एवं स्वच्छता पर विशेष जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारहवें दिन धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान रेल परिसरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ-साथ यात्रियों एवं रेलकर्मियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। इसी क्रम में ह्वेस्ट टू आर्टह्व (कचरे से कला) गतिविधि के तहत बेकार पड़े स्क्रैप, प्लास्टिक की बोतलों, पुराने टायरों एवं सूखे पत्तों आदि का रचनात्मक उपयोग कर आकर्षक एवं संदेशपरक कलाकृतियां तैयार की गईं। साथ ही, विभिन्न स्टेशनों पर यात्रियों एवं रेलकर्मियों के बीच ह्यसिंगल-यूज प्लास्टिकह्व (एकल-उपयोग प्लास्टिक) के बहिष्कार को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से लोगों को एकल-उपयोग प्लास्टिक से पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा इसके उपयोग से बचने और स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त रेल परिसर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में रेलकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

बैंक अधिकारी बनकर साइबर ठगी का आरोपित गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः शहर के भूली ओपी क्षेत्र में पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान पांडरपाला दास बस्ती निवासी राहुल कुमार दास के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के पास से बरामद दो मोबाइल की जांच में एनसीआरपी पोर्टल पर अलग-अलग राज्यों से साइबर धोखाधड़ी की कुल 53 शिकायतें दर्ज मिली हैं।

इस संबंध सोमवार को धनबाद के प्रभारी साइबर डीएसपी प्रकाश कुमार साव ने बताया कि पुलिस को 27 सितंबर की शाम एनसीआरपी पोर्टल के जरिए संदिग्ध मोबाइल नंबर से साइबर अपराध किए जाने की जानकारी मिली थी। तकनीकी शाखा से मोबाइल नंबर की लोकेशन पांडरपाला दास बस्ती में मिली। इसके बाद वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर छापेमारी टीम का गठन कर कार्रवाई की गई।

पुलिस टीम जब पांडरपाला दास बस्ती पहुंची तो एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे तत्काल पकड़कर

पूछताछ की। पूछताछ में उसकी पहचान राहुल कुमार दास के रूप में हुई।

पुलिस ने उसके पास से बरामद दोनों मोबाइल की एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से जांच की, जिसमें साइबर धोखाधड़ी से संबंधित कुल 53 शिकायतें दर्ज होने की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान राहुल कुमार दास ने बैंक अधिकारी बनकर लोगों से साइबर ठगी करने की बात बताई।इसके बाद पुलिस ने आरोपित को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक सैमसंग और एक रियलमी मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस अब एनसीआरपी में दर्ज शिकायतों के आधार पर आरोपित से जुड़े साइबर ठगी के मामलों की आगे जांच कर रही है।

पुलिस ने उसके पास से बरामद दोनों मोबाइल की एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से जांच की, जिसमें साइबर धोखाधड़ी से संबंधित कुल 53 शिकायतें दर्ज होने की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान राहुल कुमार दास ने बैंक अधिकारी बनकर लोगों से साइबर ठगी करने की बात बताई।इसके बाद पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक सैमसंग और एक रियलमी मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस अब एनसीआरपी में दर्ज शिकायतों के आधार पर आरोपी से जुड़े साइबर ठगी के मामलों की आगे जांच कर रही है।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी का आरोपित गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सरकारी विभागों में नौकरी और पदोन्नति दिलाने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप में सदर थाना की पुलिस ने बैंक मोड़ निवासी पंकज गुप्ता (28) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के खिलाफ धनबाद, झरिया, बैंक मोड़ और पलामू सहित कई थानों में ठगी से संबंधित मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

पीड़ितों के अनुसार, आरोपित ने अलग-अलग लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इस-

के बदले किसी से 20 लाख, किसी से 15 लाख, 10 लाख और 06 लाख रुपये तक लिए गए। कुछ लोगों को कथित तौर पर जाली ज्वाइनिंग लेटर भी दिए गए। बाद में जब इन दस्तावेजों की जांच कराई गई तो उनके फर्जी होने की जानकारी सामने आई।

पुलिस के अनुसार, आरोपित लंबे समय से कई जिलों के लोगों से ठगी कर रहा था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपित शिकायतकताओं के खिलाफ भी मुकदमे दर्ज कराने की बात सामने आई है। पुलिस आरोपित के भाई की भूमिका की भी जांच कर रही है।आरोपित के पिता उदय कुमार गुप्ता ने भी बेटे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उन्होंने बेटे के ठगी के काम का विरोध किया था। आरोप है कि विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई।सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि पंकज गुप्ता के खिलाफ कई लोगों ने आवेदन दिया है। पुलिस सभी शिकायतों की जांच कर रही है। जांच के बाद आरोपित को जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

एनएच टास्क फोर्स ने सड़क पर खड़े 52 वाहनों पर की कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को नेशनल हाईवे (एनएच) टास्क फोर्स टीम ने सघन जांच अभियान चलाया। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अनधिकृत एवं अवैध रूप से खड़े भारी एवं अन्य वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन कर सड़क किनारे पार्क किए गए कुल 52 वाहनों के विरुद्ध चालान काटा गया, जिनसे कुल 4,00,000 (चार लाख रुपये) का जुमार्ना वसूल किया गया। अभियान में परिवहन कार्यालय से मोटरयान निरीक्षक, जिला सड़क सुरक्षा टीम, पुलिस पदाधिकारी एवं बल तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल टीम संयुक्त रूप से शामिल रही। टीम द्वारा हाईवे के विभिन्न संवेदनशील हिस्सों का निरीक्षण कर यातायात बाधित कर रहे वाहनों पर त्वरित कार्रवाई की गई। कार्रवाई के साथ-साथ टीम ने वाहन चालकों एवं ट्रांसपोर्टरों को सड़क पर बेतरतीब ढंग से वाहन खड़ा न करने की सख्त हिदायत दी। उन्हें समझाया गया कि हाईवे किनारे खड़े वाहन अक्सर गंभीर एवं जानलेवा सड़क हादसों का मुख्य कारण बनते हैं। चालकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक भी किया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध पार्किंग के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

स्वच्छ पानी मुहैया कराने के लिए धनबाद मंडल में अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। रेल मंडल धनबाद में पानी की क्वालिटी सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पानी के स्टोरेज टैंकों की सफाई, क्लोरीनेशन/डिसइंफेक्शन, पानी की क्वालिटी की मॉनिटरिंग और सोर्स से लेकर नल तक ट्रीटमेंट की जरूरतों का रिव्यू किया जा रहा है। पानी के सोर्स से नल तक पानी की क्वालिटी का असेसमेंट भी किया जा रहा है ताकि उन जगहों की पहचान की जा सके जहां फिल्ट्रेशन या ट्रीटमेंट की आवश्यकता है। सोर्स प्वाइंटस पर क्लोरीनेशन सुनिश्चित किया जा रहा है और कई स्टेशनों पर क्लोरीनेटर मशीनें लगाने का कार्य स्वीकृत है । पानी की सप्लाई पाइपलाइनों और पाइपिंग सिस्टम की समय-समय पर जांच की जा रही है और जांच के दौरान पाई गई कमियों को तुरंत ठीक किया जा रहा है। पानी क्वालिटी और रेसिडुअल क्लोरीन की जांच के नतीजों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जहां भी जरूरत हो, जरूरी सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे है। इसी कड़ी में वाटर टैंकों के सफाई हेतु धनबाद मंडल में एक विशेष अभियान के तहत ओवरहेड, अंडरग्राउंड और पीवीसी सहित सभी 4608 पानी के टैंकों की सफाई की जानी है। इनमें 2386 पानी के टैंकों को साफ और डिसइंफेक्ट किया जा चुका है। बाकी टैंकों पर तेजी से काम पूरा करने के लिए कड़ी नजर रखी जा रही है। लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 30 पीएस टैंक के बदलने कार्य की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

छात्राओं को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिला सड़क सुरक्षा समिति ने सोमवार को बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय में छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को जिम्मेदार नागरिक बनाना और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना रहा। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा प्रबंधक श्री सुनील कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों और उससे परिवारों पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं भी सतर्क रहें

और अपने परिजनों को भी सुरक्षित वाहन चालन के लिए प्रेरित करें। वहीं, मोटर यान निरीक्षक हरीश कुमार ने छात्राओं को बुनियादी यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ट्रैफिक सिग्नल के अनुपालन, ओवर-स्पीडिंग से बचाव तथा जेबरा क्रॉसिंग के सही उपयोग जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। अंत में छात्राओं से सड़क सुरक्षा नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करने और दूसरों को भी इसके प्रति सचेत करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकशिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

29-09-2026 T.P. Page 4_Layout 1 29-09-2026 07:06 Page 1

संक्षिप्त खबरें

भूमिश्री परिवार ने दिव्यांग बच्चों के लिए की अन्न सेवा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : भूमिश्री परिवार की ओर से सेवा, संवेदना और मानवता के संकल्प के साथ सोमवार को बरियातू रोड स्थित गुरुनानक होम फॉर हैंडीकैप्ड चिल्ड्रेन में दिव्यांग बच्चों और उनकी माताओं के लिए पोषणझ अन्न सेवा का आयोजन किया गया।

इस दौरान बच्चों और उनकी माताओं के लिए दिन के भोजन की व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर भूमिश्री परिवार के अध्यक्ष सुषमा सिंह ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए भविष्य में भी यथासंभव सेवा कार्य जारी रखे जाएंगे। परिवार की ओर से संदेश दिया गया कि सेवा का सच्चा अर्थ किसी के जीवन में थोड़ी-सी खुशी और अपनत्व जोड़ना है। मौके पर भूमिश्री परिवार के सदस्यों ने बच्चों और उनकी माताओं के साथ समय बिताया और स्नेह एवं अपनत्व का संदेश दिया। परिवार की ओर से कहा गया कि सेवा का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ उनके बीच सम्मान, सहयोग और अपनत्व की भावना को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में भूमिश्री की अध्यक्ष सुषमा सिंह, संगीता सिंह, श्वेता सिंह, दीपशिखा, सीमा सिन्हा, ममता सिंह, ममता सिन्हा, किरण भारती और आकांक्षा प्रिया मौजूद थे।

सीईसी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर 30 को झामुमो करेगा प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को लेकर आगामी 30 सितंबर झामुमो रांची जिला और महानगर समिति की ओर से धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

पार्टी के केन्द्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार निर्वाचन आयोग के दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार आयोग की कुछ कार्यप्रणालियों और फैसलों को लेकर लिखित आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

झामुमो ने इन्हीं मुद्दों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन का निर्णय लिया है।

पार्टी के अनुसार कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के पदाधिकारी और सदस्य, सांसद-विधायक, विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के माध्यम से एसआईआर की प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़े सवालों को उठाया जाएगा और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी।

हालांकि, निर्वाचन आयोग ने बाद में इन मुद्दों पर स्पष्टीकरण देने की प्रक्रिया शुरू की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में नाम हटाने और नियमों में बदलाव को लेकर आयोग के भीतर मतभेद सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने नए मतदाताओं के फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता डेटाबेस के केंद्रीकरण और मतदाताओं के नाम जोड़ने-हटाने से संबंधित प्रक्रियाओं पर आपत्तियां दर्ज की थीं।

बड़गाई जमीन फजीर्वाड़ाः सीएम सोरेन ने हाई कोर्ट में दायर की याचिका, आरोप गठन रोकने की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :बड़गांई की 8.86 एकड़ कथित जमीन फजीर्वाड़ा से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से झारखंड उच्च न्यायालय में उनके वकील ने याचिका दायर कर आरोप गठन की कार्यवाही रोकने की मांग की है। इसमें पीएमएलए के एक सेक्शन का हवाला देते हुए कहा गया है कि जब तक मामले में अनुसंधान पूरा नहीं होता है तब तक उनके खिलाफ आरोप गठन न किया जाए। अभी इस मामले में जांच पूरा नहीं हुआ है।याचिका में मुख्यमंत्री की ओर से पीएमएलए कानून के सेक्शन-44 के क्लॉज 01 के अंतर्गत सब क्लॉज-डी की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। कहा गया है कि सेक्शन 44 के तहत स्पेशल कोर्ट पीएमएलए में आरोपित के खिलाफ ट्रायल उसी तरह चलना चाहिए जैसा सेशन कोर्ट में चलता है।उल्लेखनीय है कि मामले में मुख्यमंत्री की ओर से डिस्चार्ज पिटीशन के खिलाफ याचिका की सुनवाई के दौरान झारखंड उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री की हस्तक्षेप याचिका (आइए) खारिज कर दी है।इसके बाद पीएमएलए की विशेष अदालत में मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप गठन के लिए 30 सितंबर की तिथि निर्धारित की है। मामले में मुख्यमंत्री को छोड़कर अन्य सभी आरोपितों के खिलाफ आरोप गठन हो चुका है।

टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के रणनीतिक पुनर्गठन का प्रस्ताव रखा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः टाटा ट्रस्ट्स ने 66 प्रतिशत हिस्सेदारी वाली टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के रणनीतिक पुनर्गठन की योजना सामने रखी है। प्रस्ताव के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स का टाटा संस में विलय किया जाएगा, जिससे पुनर्गठित कंपनी न तो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) रहेगी और न ही कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी)। ट्रस्ट्स के अनुसार, 31 मार्च 2026 के आधार पर विलय के बाद बनने वाली इकाई का परिचालन राजस्व 1,05,043 करोड़ रुपये होगा, जो कुल आय का 64.3 प्रतिशत है। प्रस्ताव के तहत टाटा संस अपने परिचालन कारोबार और आय वाले पुराने मॉडल की ओर लौटेगी, जैसा कि वह लंबे समय तक करती रही है। ट्रस्ट्स ने कहा कि पुनर्गठन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया जाएगा और प्रक्रिया पूरी होने के बाद टाटा संस अपना सीआईसी पंजीकरण प्रमाणपत्र भी वापस करेगी। ट्रस्ट्स ने टाटा संस के बोर्ड से प्रस्ताव पर विचार कर आवश्यक कदम उठाने को कहा है और कहा कि यह योजना नियामकीय अनुपालन के साथ टाटा समूह की 100 साल से अधिक पुरानी संगठनात्मक संरचना को बनाए रखने में मदद करेगी।

अंतरराज्यीय बच्चा चोर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: रांची पुलिस ने रेलवे स्टेशन से बच्चा अपहरण मामले में अंतरराज्यीय बच्चा चोर गिरोह का खुलासा किया है। रांची पुलिस की एसआईटी ने अपहृत चार वर्षीय बालक विवान कुमार को साहेबगंज से सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के मास्टरमाइंड रोहित मुखर्जी उर्फ डॉन सहित पांच अपहरणकताओं को गिरफ्तार किया है, जबकि एक किशोर को निरुद्ध किया गया है। पकड़े गए अपराधियों के पास से पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं।

इस मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि बीते 24 सितंबर 2026 को रांची रेलवे स्टेशन के बाहर से विवान कुमार का अपहरण कर लिया गया था। इस संबंध में चुटिया थाने में कांड संख्या-138/26 (धारा 137(2) बीएनएस) दर्ज की गई थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रांची एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर एक एसआईटी का गठन किया गया। टेक्निकल सेल और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एसआईटी ने 27 सितंबर को धनबाद रेलवे स्टेशन से संदिग्ध रोहित मुखर्जी को धनबाद पुलिस और आरपीएफ के सहयोग से हिरासत में लिया। पूछताछ में रोहित ने अपना गुनाह कबूल किया और अपने सहयोगियों कयूम अंसारी, बिट्टू कुमार सिंह, छोटू कुमार और जमादार शेख के नाम बताए। इसके बाद रोहित की निशानदेही पर साहेबगंज पुलिस के सहयोग से तीनपहाड़ स्थित बिट्टू के नानी घर पर छापेमारी कर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया।

पुलिस अनुसंधान में इस गिरोह के एक बेहद चौंकाने वाले तौर-तरीके का पदार्फाश हुआ है। गिरोह का मुख्य सरगना रोहित मुखर्जी उर्फ डॉन चोरी के मामलों में जेल गए बच्चों को जमानत दिलाने में मदद करता था। इसके बाद वह इन लावारिस और असहाय बच्चों को अपने गिरोह में शामिल कर लेता था। इन बच्चों से देश के अलग-अलग शहरों के भीड़भाड़ वाले इलाकों में मोबाइल चोरी करवाई जाती थी। चोरी के इन मोबाइलों को अवैध रूप से बांग्लादेश भेजकर खपाया जाता था। पुलिस इस गिरोह के नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों और बांग्लादेशी कनेक्शन को लेकर आगे की जांच और सघन पूछताछ कर रही है।

रांची में 15.7 लाख की सिगरेट चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र के रेडियम रोड स्थित सुवालाल गोपीलाल जैन की दुकान में हुई करीब 15.70 लाख रुपये की सिगरेट चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।

मामले में पुलिस ने दो आरोपितों कुन्दन वर्मा और विजय रजक उर्फ लल्लु को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की निशानदेही पर चोरी की गई सिगरेट और मोबाइल भी बरामद किया गया है।

सिटी एसपी पारस राणा ने सोमवार को बताया कि 26 सितंबर की रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर करीब 3,000 रुपये नकद, बिना सिम कार्ड वाला एक पुराना मोबाइल फोन और लगभग 15.70 लाख रुपये मूल्य की सिगरेट चोरी कर ली थी।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपितों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पुलिस ने दोनों की संलिप्तता सामने आने का दावा किया। इसके बाद आरोपितों की निशानदेही पर चोरी की गई सिगरेट छह बैग और तीन झोलों में बरामद की गई। चोरी का मोबाइल फोन भी पुलिस ने जब्त किया है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपित कुन्दन वर्मा का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ सुखदेवनगर थाना में चोरी, मारपीट और एनडीपीएस एक्ट सहित कई मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई में कोतवाली के सहायक पुलिस अधीक्षक निखिल राय, थाना प्रभारी सनोज कुमार चौधरी, सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा सहित कोतवाली और सुखदेवनगर थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल रहे।

झामुमो ने मुख्य चुनाव आयुक्त का फूंका पुतला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झामुमो रांची जिला और महानगर की ओर से सोमवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में मार्च निकाला गया और पुतला फूंका गया। मौके पर पार्टी नेताओं ने कहा कि वर्तमान में केंद्रीय चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को लेकर बेहद गम्भीर और चिंताजनक तथ्य सामने आए हैं। विभिन्न अखबारों, मीडिया रिपोर्टों और आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की ओर से हाल ही में लिए गए कई एकतरफा फैसलों पर आयोग के ही अन्य चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित और औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराई हैं।झामुमो नेताओं ने कहा कि इसी तरह के कई असंवैधानिक और अवैध कार्य किए गए हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के इस तरह के असंवैधानिक कार्यों का पार्टी विरोध करती है और उनकी बर्खास्तगी और इस्तीफे की मांग करती है।मौके पर राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी, मुस्ताक आलम, अन्तु तिर्की, अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल कुमार मेहता, समनुर मंसुरी, नयनतारा उरांव, बीरु तिर्की, धर्मेन्द्र सिंह, मनिन्दर सिंह, प्रदीप मिर्धा, विक्रम सिंह, आशुतोष गोस्वामी, जीत गुप्ता, भोलु मलिक, कुदुस अन्सारी सहित अन्य शामिल थे।

मृतक बिजली कर्मी के परिवार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं करेगा संघ : अजय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,:झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने मृतक कर्मी जगन्नाथ मुंडा के परिवार के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए रोजगार सहित तीन सूत्री मांगों को लेकर सोमवार को संचरण जोन-1 के महाप्रबंधक अनिल कुमार भारतीयम को ज्ञापन सौंपा।

मामले में महाप्रबंधक से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई। मौके पर उन्होंने कहा कि परिवार के हितों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। जरूरत पड़ने पर संघ मामले को विभागीय और सरकार के सक्षम स्तर तक ले जाएगा और आवश्यक कानूनी कदम उठाएगा। संघ ने मृतक परिवार को न्याय और आश्रित को रोजगार देने की मांग की।

संघ के अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि जापुत 132/33 केवी ग्रिड, खूंटी में कार्यरत जगन्नाथ मुंडा का 13 अगस्त 2026 को इलाज के दौरान निधन हो गया था। उनके परिवार के सामने रोजगार और आर्थिक संकट को देखते हुए संघ ने मृतक के परिवार की सहमति से उनके भांजे बॉबी बेदिया या बहन प्रियंका हास्सा को कार्य का अवसर देने की मांग की गई है।

इसके अलावा मृतक कर्मी की ईपीएफ राशि शीघ्र जारी करने और भविष्य में किसी दैनिक वेतनभोगी या आउटसोर्स कर्मी की मृत्यु होने पर उसके परिवार किसी अन्य व्यक्ति को नियोजित नहीं करने की मांग की गई।

अजय राय ने कहा कि किसी कर्मी की मृत्यु के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे में विभाग और आउटसोर्स एजेंसी को आश्रितों के हितों का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन्नाथ मुंडा के परिवार से बातचीत तक नहीं की गई।

इस अवसर पर डीजीएम राजीव कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

कोचिंग सेंटर सील करने पर उच्च न्यायालय नाराज, कहा- सीधे शो-कॉज पर कार्रवाई उचित नहीं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची के लालपुर स्थित प्रनामी हाइट्स में संचालित फिजिक्स वाला कोचिंग संस्थान के परिसर को बिना जवाब पर निर्णय लिए सील करने की नगर निगम की कार्रवाई को अनुचित बताया है।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत ने कहा कि शो-कॉज नोटिस के जवाब पर सक्षम प्राधिकारी को कारणयुक्त आदेश पारित करना चाहिए था। इसके बजाय सीधे परिसर सील

करना उचित प्रक्रिया नहीं है।

अदालत ने अब परिसर के मालिक अभिषेक नरसरिया को एक और अवसर देते हुए दो सप्ताह के भीतर रांची नगर निगम के प्रशासक के समक्ष विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

जवाब मिलने के बाद प्रशासक को याचिकाकर्ता या उसके प्रतिनिधि को सुनवाई का अवसर देकर परिसर के संबंध में जांच करनी होगी और इसके बाद तीन सप्ताह के भीतर कानून के अनुसार सूचित निर्णय लेना होगा।

मामले में याचिकाकर्ता ने रांची नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त की ओर से एक जुलाई 2026 को जारी नोटिस को चुनौती दी थी। नोटिस में कोचिंग संस्थान में पांच कमियां बतायी गयी थी और सात दिनों के भीतर उन्हें दूर करने को कहा गया था। ऐसा नहीं करने पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम, 2011 और झारखंड बिल्डिंग बायलॉज, 2016 के तहत परिसर को सील करने की चेतावनी दी गयी थी। इसके बाद छह जुलाई को भी दूसरा नोटिस जारी किया गया। याचिकाकर्ता के अनुसार, उसने दोनों नोटिस के जवाब आठ और नौ जुलाई को दे दिये थे। इसके बावजूद रांची नगर निगम ने जवाब पर कोई आदेश पारित नहीं किया और तीन सितंबर को परिसर को सील कर दिया।

न्यायवाणी राष्ट्रीय वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में आईएलएस के विद्यार्थी पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : रांची विश्वविद्यालय के आईएलएस (इंस्टीच्यूट ऑफ लीगल स्टडीज) के सप्तम सेमेस्टर के विद्यार्थियों कृष्णांशु कर्मकार, ऋषभ राज और अंजलि कुमारी ने न्यायवाणी राष्ट्रीय वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता के द्वितीय संस्करण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चौथे चरण में स्थान प्राप्त किया है।देशभर से कुल 120 टीमों ने इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। संस्थान की टीम ने अपने उत्कृष्ट विधिक अनुसंधान, तार्किक प्रस्तुतीकरण, प्रभावी वाद-विवाद, न्यायालयीन अभिव्यक्ति और सामूहिक प्रयास के माध्यम से चौथे चरण में प्रवेश किया।इस उपलब्धि पर, रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो (डॉ) सरोज शर्मा ने सोमवार को विद्यार्थियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर 120 टीमों के बीच चौथे चरण तक पहुंचना विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और यह विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम एवं समर्पण को दर्शाता है।वहीं विश्वविद्यालय के सीवीएस की निदेशक डॉ स्मृति सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में 120 टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना विद्यार्थियों की मेहनत, प्रतिभा, लगन और विधिक समझ का परिचायक है।

दुर्गा पूजा को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट, पंडालों से लेकर विसर्जन जुलूस तक रहेगी कड़ी निगरानी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर झारखंड पुलिस ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस मुख्यालय रांची में सोमवार को डीजीपी तदाशा मिश्रा की अध्यक्षता में सभी रेंज के आईजी, डीआईजी, एसएसपी और एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक हुई। बैठक में पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक, सोशल मीडिया निगरानी और विसर्जन जुलूस को लेकर अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस महानिदेशक ने सभी जिलों में 24 घंटे सातों दिन नियंत्रण कक्ष संचालित करने और किसी भी घटना की सूचना तत्काल पुलिस मुख्यालय के वरीय अधिकारियों तथा महानिदेशक नियंत्रण कक्ष को देने का निर्देश दिया।

सभी लाइसेंसी और गैर-लाइसेंसी पूजा पंडालों का सत्यापन करने के साथ वरीय अधिकारियों को पंडालों का भौतिक निरीक्षण करने को कहा गया है।पूजा पंडालों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी और दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति होगी। संवेदनशील पंडालों को चिन्हित कर विशेष निगरानी रखने, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

भीड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक

व्यवस्था, सुरक्षित पार्किंग और महिला-पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रवेश एवं निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

पुलिस मुख्यालय ने अग्निशमन और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के साथ बिजली आपूर्ति, इमरजेंसी नंबर और आवश्यकतानुसार पुलिस-मित्र वॉलेंटियर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। भीड़भाड़ वाले पंडालों में आपातकालीन निकास द्वार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिलों में तैनात बल को दंगा रोधी संसाधनों से लैस रखने और क्यूआरटी टीम को तैयार रखने का निर्देश दिया गया है।

छेड़खानी, चोरी और छिनतई जैसे अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ भाषण, आपत्तिजनक पोस्ट या अफवाह के जरिए सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर नजर रखने और आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

पूजा के नाम पर होने वाली अवैध चंदा वसूली को भी चिन्हित कर कार्रवाई करने को कहा गया है। डांडिया और अन्य नृत्य कार्यक्रमों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं।

मूर्ति विसर्जन की तिथि और जुलूस मार्गों का सत्यापन करने के साथ धार्मिक स्थलों और विवादित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। विसर्जन घाटों और नदियों पर गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जुलूस की वीडियोग्राफी और ड्रोन से निगरानी होगी। साउंड सिस्टम से उत्तेजक गानों के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखने तथा विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा की विशेष व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।पुलिस महानिदेशक ने डीजे के संबंध में उच्च न्यायालय की ओर से जारी न्यायादेश का अक्षरशः पालन कराने को कहा है।

संक्षिप्त खबरें

करंट की चपेट में आया किसान, खेत में ही थम गई सांस

टूटे बिजली तार ने ली किसान रोहण यादव (71) की जान

फतेहपुर थाना क्षेत्र के कोकथा गांव में सोमवार दोपहर की है घटना

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : धान के खेत में फसल की निकौनी करने गए 71 वर्षीय किसान की जिंदगी सोमवार दोपहर खेत में टूटकर गिरे बिजली के तार ने छीन ली। करंट प्रवाहित तार की चपेट में आते ही किसान खेत में गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। वहीं, घटना से पूरे गांव में मातम पसरा है। घटना फतेहपुर थाना क्षेत्र के कोकथा गांव की है। बताया जाता है कि कोकथा गांव निवासी रोहण यादव सोमवार दोपहर अपने खेत में धान की निकौनी करने गए थे। इसी दौरान खेत में पहले से टूटकर गिरे करंट प्रवाहित बिजली तार की चपेट में आ गए। तार शरीर से सटते ही वह वहीं गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने जब तक स्थिति को समझा, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ खेत में जुट गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना फतेहपुर थाना पुलिस को दी। सूचना पर एसआई अंबुज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल, गया भेज दिया।

टूटे तारों को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

किसान की मौत के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना था कि खेतों के आसपास जर्जर बिजली तारों के कारण हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। उनका आरोप है कि टूटे तारों की समय पर मरम्मत नहीं होने से यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से खेतों के आसपास बिजली तारों की जांच कराने और जर्जर व टूटे तारों को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

त्योहार के मद्देनजर 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में की जाएगी विस्तार

हाजीपुर (एजेंसी) : आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए तथा यात्रियों की सुगम व आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा पूर्व से चलाई जा रही स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। ये सभी ट्रेनें अपने पूर्व निर्धारित ठहराव, समय-सारणी, मार्ग और कोच संयोजन के अनुसार ही संचालित होंगी। विस्तारित की गई स्पेशल ट्रेनों का पूर्ण विवरण निम्नानुसार है गाड़ी संख्या 03297/03298 पटना-इसलामपुर-पटना स्पेशल - (फतुहा के रास्ते) - पटना और इसलामपुर के मध्य सप्ताह में 03 दिन चलायी जा रही गाड़ी सं. 03297/03298 पटना-इसलामपुर-पटना स्पेशल के परिचालन अवधि में 26 फेरों हेतु विस्तार किया जा रहा है। अब 03297 पटना-इसलामपुर स्पेशल पटना से 01.10.2026 से 29.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार एवं रविवार को परिचालित की जाएगी । इसी तरह अब 03298 इसलामपुर-पटना स्पेशल इसलामपुर से 02.10.2026 से 30.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार एवं सोमवार को परिचालित की जाएगी ।गाड़ी संख्या 05573/05574 राघोपुर-देवघर-राघोपुर स्पेशल - (सुपौल-सहरसा- सिमरी बख्तियारपुर- मानसी-खगड़िया-सबदलपुर-मुंगेर-सुलतानगंज-भागलपुर-बांका के रास्ते) - राघोपुर और देवघर के मध्य प्रतिदिन चलायी जा रही गाड़ी सं. 05573/05574 राघोपुर-देवघर-राघोपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में 61 फेरों हेतु विस्तार किया जा रहा है । अब यह स्पेशल राघोपुर एवं देवघर से 01.10.2026 से 30.11.2026 तक प्रतिदिन परिचालित की जाएगी ।गाड़ी संख्या 03216/03215 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल - (हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर-खगड़िया-मानसी-सहरसा-दौरम मधेपुरा-बनमनखी के रास्ते) - पाटलिपुत्र और पूर्णिया कोर्ट के मध्य सप्ताह में 05 दिन चलायी जा रही गाड़ी सं. 03216/03215 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल के परिचालन अवधि में 32 फेरों हेतु विस्तार किया जा रहा है। अब गाड़ी सं. 03216 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल पाटलिपुत्र से 18.10.2026 से 30.11.2026 तक बुधवार एवं शनिवार को छोड़कर सप्ताह में पांच दिन परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03215 पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल पूर्णिया कोर्ट से 19.10.2026 से 01.12.2026 तक गुरूवार एवं रविवार को छोड़कर सप्ताह में पांच दिन परिचालित की जाएगी ।गाड़ी संख्या 05543/05544 रक्सौल-नरकटियागंज-रक्सौल स्पेशल - (सिकटा के रास्ते) - रक्सौल और नरकटियागंज के मध्य सप्ताह में 02 दिन चलायी जा रही गाड़ी सं. 05543/05544 रक्सौल-नरकटियागंज-रक्सौल स्पेशल के परिचालन अवधि में 18 फेरों हेतु विस्तार किया जा रहा है। अब यह स्पेशल रक्सौल एवं नरकटियागंज से 01.10.2026 से 28.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार एवं शनिवार को परिचालित की जाएगी ।

गुरपा के झाड़ी से मिली नग्नमहिला, गले पर कसने के निशान मिलने से सनसनी

बसकटवा के ललकीमाटी सोत के पास जिंदगी-मौत से जूझती मिली 30 वर्षीय अज्ञात महिला

दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या के प्रयास की आशंका, गंभीर हालत में मगध मेडिकल रेफर

फतेहपुर (गया जी): सुबह की खामोशी के बीच झाड़ी से आ रही कराह ने लोगों के कदम रोक दिए। पास जाकर देखा तो करीब 30 वर्षीय एक महिला नग्न अवस्था में बेहोश पड़ी थी। वह बदहवास हालत में सिर्फ ह्यपानी-पानीह्व कहकर कराह रही थी। उसके गले पर कसने के निशान मिलने और जख्म देखकर आसपास के लोग भी सन्न रह गए। मामला गुरपा थाना क्षेत्र के बसकटवा के समीप ललकीमाटी सोत के पास की है। महिला के साथ क्या हुआ और वह यहां कैसे पहुंची, यह फिलहाल रहस्य बना हुआ है।बताया गया है कि सोमवार सुबह आसपास के कुछ लोग शौच के लिए नदी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान झाड़ी में महिला पर उनकी नजर पड़ी। उसकी हालत देखकर स्थानीय महिलाओं ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उसे साड़ी से ढका और गुरपा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष शिवनंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को तत्काल फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया रेफर कर दिया। गले पर कसने के निशान, दुष्कर्म के बाद हत्या के प्रयास की आशंकाबताया गया है कि महिला को हल्का होश आ रहा था, लेकिन वह बोलने की स्थिति में नहीं थी। महिला की स्थिति को देखने से उसके दुष्कर्म के बाद हत्या का प्रयास किए जाने की आशंका जाहिर की जा रही है। पुलिस के अनुसार उसके गले पर जख्म और रस्सी अथवा कपड़े से कसने जैसे निशान मिले हैं। ऐसे में प्रथम दृष्टया गला दबाकर हत्या के प्रयास की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण, राहत कार्य तेज करने के निर्देश

पटना, 28 सितंबर (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित वैशाली, सारण, पूर्वी चम्पारण और गोपालगंज जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने सारण जिले के हैजलपुर-मकेर, पूर्वी चम्पारण और गोपालगंज के डुमरिया घाट ब्रिज तथा पुछरिया क्षेत्र का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने डुमरिया घाट पहुंचकर गंडक नदी के बढ़े जलस्तर का स्थल निरीक्षण भी किया और अधिकारियों से ताजा स्थिति की जानकारी ली।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि डुमरिया घाट के पास गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब डेढ़ मीटर ऊपर है। रात में जलस्तर में लगभग 50 सेंटीमीटर और वृद्धि की संभावना जताई गई है। मुख्यमंत्री ने प्रभावित

इलाकों में राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों तक आवश्यक सहायता तत्काल पहुंचाई जाए। जल संसाधन विभाग को तटबंधों की लगातार निगरानी करने, जरूरी सतर्कता बरतने और नाइट पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

सम्राट चौधरी ने कहा कि जिला प्रशासन, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखते हुए आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रशासन को प्रभावित लोगों के बीच रहकर राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता देनी है।मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत शिविरों और सामुदायिक रसोई केंद्रों के माध्यम से प्रभावित लोगों को भोजन एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, सांसद राधामोहन सिंह, विधायक कृष्णनंदन पासवान, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह सहित पूर्वी चम्पारण और गोपालगंज के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक समेत अन्य वरीय अधिकारी मौजूद रहे।

गया जंक्शन:पितृपक्ष में डॉग स्क्वायड, मेटल डिटेक्टर व उड़नदस्ता टीम ने संभाला मोर्चा

गया जंक्शन पर आरपीएफ की सुरक्षा सख्त, संदिग्धों पर कड़ी नजर

गया जी(एजेंसी) : पितृपक्ष मेले में रेल मार्ग से बड़ी संख्या में गया पहुंच रहे तीर्थयात्रियों को देखते हुए गया जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्मों पर सर्च अभियान तेज कर दिया गया है। डॉग स्क्वायड, मेटल डिटेक्टर टीम और आरपीएफ की विशेष उड़नदस्ता टीम लगातार जांच में जुटी है। यात्रियों के सामान और संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच की जा रही है।सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ की विशेष उड़नदस्ता टीम स्टेशन के विभिन्न हिस्सों में लगातार गश्त कर रही है। भीड़ के बीच संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा

रही है। प्लेटफॉर्म, प्रवेश-निकास द्वार, यात्री प्रतीक्षालय और स्टेशन परिसर में सुरक्षा बलों की सक्रियता बढ़ाई गई है।

स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर 94 सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। नियंत्रण कक्ष से कैमरों की मॉनिटरिंग कर संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।आरपीएफ और जीआरपी के अलावा टिकट चेकिंग स्टाफ, कॉमर्शियल कर्मी तथा ट्रेन परिचालन से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी भी तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए ड्यूटी पर तैनात हैं। यात्रियों की सुविधा के साथ सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों ने भीड़ के दौरान यात्रियों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तत्काल सुरक्षा कर्मियों को देने की अपील की है।

रेल महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने राजेंद्र पुल, मोकामा के समानांतर नए रेल पुल के कार्यों का किया निरीक्षण

हाजीपुरः पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग के द्वारा सोमवार को राजेंद्र पुल के समानांतर बने नवनिर्मित पुल से होकर परिचालन प्रारंभ करने के उद्देश्य से चल रहे प्री-एनआई कार्य का निरीक्षण किया गया। उन्होंने गढ़हरा एवं दिनकर ग्राम सिमरिया के मध्य चल रहे कट एंड कनेक्शन कार्यों का जायजा लिया । साथ ही समपार सं. 2एन.बी. के समीप रिले हट एवं यार्ड रिमॉडलिंग स्थल का भी निरीक्षण किया।महाप्रबंधक ने सभी संबंधित एजेंसियों, दानापुर और सोनपुर मंडल की टीमों के साथ चल रहे एनआई कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये ।निरीक्षण के दौरान सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन एवं दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार सहित मुख्यालय एवं मंडल तथा इरकॉन के अधिकारीगण भी उपस्थित थे ।विदित हो कि इस नये रेल पुल को वर्तमान राजेन्द्र पुल के समानान्तर एवं पटना छोर की तरफ वर्तमान पुल से 50 मीटर की दूरी पर बनाया गया है । इस पुल पर दोहरी रेल लाइन का निर्माण किया गया है । यह प्रोजेक्ट लगभग 15.5 किमी की कुल लंबाई में फैला है, जिसमें 1.9 किमी का गंगा नदी पर मुख्य पुल शामिल है जिसमें गंगा नदी पर 17 स्टील स्पैन हैं तथा 3.6 किमी के रेल वायडक्ट और बड़े पुल शामिल हैं । मुख्य पुल के साथ ही 08 लघु पुल, 02 सड़क उपरि पुल तथा 03 रेल ओवर रेल का निर्माण भी किया गया है । नये पुल की निर्माण योजना इस तरह बनायी गयी है कि वर्तमान पुल के एप्रोच में कम से कम परिवर्तन करना पड़े। निर्माणाधीन नये पुल के दोनों छोर के स्टेशन, वर्तमान पुल के दोनों छोर के स्टेशनों से ही जुड़े होंगे अर्थात वर्तमान में उत्तर में स्थित हाथीदह, टाल एवं रामपुर डुमरा स्टेशनों तथा दक्षिण में स्थित राजेन्द्रपुल तथा बरौनी स्टेशनों से जुड़े होंगे ।

गया-कोडरमा-गोमो रेलखंड पर सुरक्षा चौकसी तेज, आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने लिया जायजा

गया जी (एजेंसी) : पितृपक्ष मेला को लेकर गया-कोडरमा-गोमो रेलखंड पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यात्रियों की बढ़ती भीड़ और संवेदनशील रेल क्षेत्रों को देखते हुए पूर्व मध्य रेलवे के आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने शुक्रवार को रेलखंड का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वे स्पेशल ट्रेन से पटना से गया पहुंचे और इसके बाद गया-कोडरमा-गोमो रेलखंड का विंडो निरीक्षण किया।आरपीएफ आईजी ने गया-कोडरमा रेलखंड के गुरपा-गझण्डी रेल घाटी सेक्शन में रेल लाइन के आसपास के संवेदनशील स्थानों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेल पटरियों, घाटी क्षेत्र तथा महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। पितृपक्ष मेला के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के गया पहुंचने को देखते हुए रेलवे परिसरों और ट्रेनों में सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया।संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी, अधिकारियों को सुरक्षा के निर्देशनिरीक्षण के बाद आरपीएफ आईजी ने संबंधित अधिकारियों और जवानों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने रेलखंड के संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने, ट्रेनों और स्टेशनों पर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा। पितृपक्ष मेला के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए आरपीएफ की तैनाती और गश्त को प्रभावी बनाने पर भी चर्चाआरपीएफ आईजी के निरीक्षण के दौरान कोडरमा आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार और गोमो आरपीएफ इंस्पेक्टर विमल कुमार समेत अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे। अधिकारियों ने पितृपक्ष मेला अवधि में सुरक्षा को लेकर की गई तैयारियों और संवेदनशील स्थानों की जानकारी आईजी को दी। निरीक्षण को पितृपक्ष मेला के दौरान गया रेलखंड पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रैबीज से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी, समय पर टीकाकरण ही सुरक्षा कवच

कुत्ता काटने पर 15 मिनट तक साबुन-पानी से धोएं घाव, तत्काल ले चिकित्सकीय सलाह

गया जी(एजेंसी) : भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) गया शाखा की ओर से विश्व रैबीज दिवस के अवसर पर सोमवार को रैबीज जागरूकता अभियान चलाया गया। मुख्य कार्यक्रम अभय इंस्टीच्युट ऑफ मेडिकल साइंस अस्पताल में आयोजित जागरूकता शिविर में करीब 200 से 250 लोगों ने भाग लिया। शिविर में रैबीज की रोकथाम, टीकाकरण और कुत्ते के काटने के बाद घाव की सही देखभाल के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी गई।

अभय इंस्टीच्युट ऑफ मेडिकल साइंस अस्पताल के निदेशक डॉ. ए.एन. राय ने कहा कि रैबीज शत-प्रतिशत रोकथाम योग्य बीमारी है, लेकिन बीमारी के लक्षण विकसित होने के बाद यह शत-प्रतिशत घातक हो सकती है। उन्होंने समय पर ट-ीकाकरण और जागरूकता को रैबीज से बचाव का प्रमुख उपाय बताया।आईएमए गया के अध्यक्ष डॉ. विश्व विजय सिंह ने कहा कि कुत्ते के काटने पर घाव को तत्काल साबुन और बहते पानी से कम से कम 15 मिनट तक धोना चाहिए। इसके बाद बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर एंटी-रैबीज वैक्सीन लगवानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुत्ते के काटने के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही जानलेवा हो सकती है।अभय इंस्टीच्युट के फिजिशियन डॉ. अनुराग मन्ना ने रैबीज से बचाव और उपचार की जानकारी दी। आईएमए के वरीय सदस्य डॉ. रामसेवक प्रसाद सिंह ने रैबीज के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में लोगों को जागरूक किया।आ-ईएमए गया के सचिव डॉ. विमलेन्द्र विमल ने लोगों से आवारा जानवरों से दूरी बनाए रखने और जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने शिविर में मौजूद लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में करीब 10 डॉक्टर और 30-35 पारामेडिकल कर्मी मौजूद रहे। इसके अलावा एपीआई हॉल तथा करीब 80-85 डॉक्टरों के क्लिनिक में भी रैबीज जागरूकता अभियान चलाया गया।

पितृपक्ष: विष्णुनगरी के पंचतीर्थ पर पिंडदान कर पितरों के लिए सूर्यलोक की कामना

तीर्थयात्रियों से पटा गयाधाम, धूप में भी वेदियों पर चलता रहा पिंडदान

गया जी(एजेंसी) : हिंदू धर्मावलंबियों के लिए विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष के दौरान सोमवार को गयाधाम में पिंडदानियों का सैलाब उमड़ पड़ा। देश के विभिन्न हिस्सों से आए डेढ़ लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने विष्णुनगरी के पंचतीर्थ समेत प्रमुख वेदियों पर पिंडदान कर पितरों के सूर्यलोक की कामना की। सुबह से ही सूर्यकुंड और पितामहेश्वर तालाब में पिंडदानियों की भीड़ जुटने लगी थी।त्रिपाक्षिक गयाश्राद्ध करने वाले पिंडदानियों ने सूर्यकुंड और पितामहेश्वर क्षेत्र की पांच वेदियों पर विधि-विधान से पिंडदान किया। वहीं, एक दिन और तीन दिनों का गयाश्राद्ध करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी काफी बढ़ गई। विष्णुपद मंदिर परिसर और आसपास की वेदियों पर जगह कम पड़ने के कारण कई श्रद्धालुओं को खुले में बैठकर पिंडदान करना पड़ा। तीखी धूप के बावजूद पिंडदानियों का धार्मिक अनुष्ठान जारी रहा। पितामहेश्वर घाट पर शेड की कमी के कारण कई श्रद्धालु फल्गु नदी के किनारे बैठकर पिंडदान करते दिखे। कुछ लोगों ने धूप से बचने के लिए छाता लगाकर पिंडदान किया। पिंडदानियों ने बताया कि शेड की कमी और तेज धूप के कारण काफी परेशानी हुई। सूर्यकुंड परिसर में भी पर्याप्त शेड नहीं होने से श्रद्धालुओं को खुले में बैठना पड़ा। सूर्यकुंड सहित विष्णुपद मंदिर और फल्गु नदी में गया जी रबर डैम से लेकर श्मशान घाट के आगे तक पिंडदानियों की भीड़ दिखाई दी। विष्णुपद मंदिर से लेकर प्रेतशिला और अन्य प्रमुख वेदियों तक श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। विष्णुपद मंदिर में दर्शन के लिए भी लंबी कतार रही।आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया को बोधगया की तीन वेदियों पर त्रिपाक्षिक पिंडदान होगा। इसके लिए भी बड़ी संख्या में पिंडदानियों के बोधगया पहुंचने की संभावना है।

संपादकीय

हाथी पर सवार भाजपा पर विपक्षी हमले तेज

लोकतंत्र में चुनाव केवल मतदान का दिन नहीं होता। उसकी विश्वसनीयता मतदाता सूची से लेकर मतदान और मतगणना तक पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर निर्भर करती है। पिछले कुछ वर्षों से निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। अब ये सवाल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही की बहस का हिस्सा बन गए हैं।

राजीव कुमार के कार्यकाल के बाद ज्ञानेश कुमार के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के साथ निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली में बदलाव को लेकर विपक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-काटने की प्रक्रिया, फॉर्म-6 और फॉर्म-7 तथा सॉफ्टवेयर और डेटा की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए और नए मतदाताओं को जोड़ने की प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में रही।

इन आरोपों की वास्तविकता का अंतिम निर्धारण तथ्यों, आधिकारिक आंकड़ों और न्यायिक परीक्षण से ही हो सकता है, लेकिन लोकतंत्र के लिए यह स्थिति स्वयं में चिंताजनक है कि निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को लेकर लगातार अविश्वास का वातावरण बन रहा है।

हाल में निर्वाचन आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों में आयोग के भीतर मतभेद और दोनों चुनाव आयुक्तों को निर्णय प्रक्रिया की जानकारी दिए जाने को लेकर सवाल सामने आए हैं। यदि किसी संवैधानिक संस्था के भीतर ही निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर असहमति सार्वजनिक होने लगे, तो स्वाभाविक रूप से पारदर्शिता और संस्थागत संतुलन पर बहस तेज होगी।

विपक्ष अब इसे व्यापक राजनीतिक आंदोलन का रूप देने की तैयारी में दिखाई दे रहा है। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों की गतिविधियां तेज हो रही हैं। मुंबई से आंदोलन शुरू करने और दिल्ली में विपक्षी दलों के जुटने की तैयारियों की खबरें सामने आ रही हैं। आने वाले दिनों में यह मुद्दा सड़क से संसद तक राजनीतिक बहस का बड़ा विषय बन सकता है।

फीते से नहीं, फिटनेस से चलती है सरकार की बस

मध्यप्रदेश की “मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा” का तीसरे दिन ही ऐसा इम्तिहान हुआ कि नाम “सुगम” और नतीजा “गमन” बन गया। दो दिन पहले ढोल-नगाड़ों, कैमरों और भाषणों के बीच जिस सेवा का शुभारंभ हुआ था, उसी की पीएम ई-बस (इलेक्ट्रिक) ने तीसरे दिन इंदौर के राजवाड़ा पर राहगीरों और ऑटो/ई-रिक्शा को टक्कर मारते हुए दुकान के काउंटर तक पहुँचकर हादसा कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों में ब्रेक फेल होने या चालक की गफलत की बात कही जा रही है। एक नागरिक की मौत हुई, दो-तीन लोग घायल हुए। जनता के लिए शुरू हुई सेवा तीसरे दिन अस्पताल पहुँचाने लगे, तो सवाल बस का नहीं, पूरी व्यवस्था की तैयारी का है। उद्घाटन में सरकार ने फीता काटा था, तीसरे दिन बस ने जनता की सुरक्षा का भरोसा काट दिया—सरकारी योजना का इससे करारा परिणाम क्या होगा?

बस पर नया रंग चढ़ जाने से व्यवस्था नई नहीं हो जाती। सुगम सेवा में कुछ पुरानी/सेकंड-हैंड बसों को रंग-रोगन कर उतारने के आरोप पर विपक्ष ने शुभारंभ के तुरंत बाद सवाल उठाए थे। हालांकि हादसे वाली बस नई पीएम ई-बस (इलेक्ट्रिक) बताई गई है। सवाल फिर भी वही है—नई बस हो या पुरानी, सुरक्षा कहाँ है? रंग ब्रेक नहीं लगाता। फिटनेस और सुरक्षा की जगह चमक दिखाना जनता की आँखों में धूल झोंकना है। सड़क पर रंग नहीं, फिटनेस चाहिए। यात्री को बस में बैठते वक्त सिर्फ इतना भरोसा चाहिए कि वह सुरक्षित घर पहुँचे, सरकारी विज्ञापन में न चमके।

सवाल बस के ब्रेक का नहीं, उस व्यवस्था का है जिसने उसे सड़क पर उतारा। फिटनेस किसने दी? प्रमाणपत्र किसने जारी किया? ब्रेक किसने जाँचे? ड्राइवर को कितना प्रशिक्षण मिला? स्वतंत्र तकनीकी जाँच हुई या कागजों ने ही बस को सड़क पर भेज दिया? योजना शुरू होते ही/उद्घाटन के तुरंत बाद विपक्ष (कांग्रेस) ने पुरानी, रंग-रोगन वाली और अनफिट बसों पर सवाल उठाए थे। उन सवालों को राजनीतिक शोर मानकर दबाया गया या तकनीकी जाँच हुई—अब यह साफ होना चाहिए। क्योंकि ब्रेक फेल होने या हादसे के बाद जाँच करना सुरक्षा व्यवस्था नहीं, हादसे का इंतजार है।

हादसा होते ही व्यवस्था का सबसे आसान हथियार निकलता है—“जाँच”। मौत हुई तो जाँच, लापरवाही मिली तो जाँच, कार्रवाई पूछी गई तो फिर जाँच। समितियाँ इतनी बन चुकी हैं कि उन्हें पहिए लगा दें तो शायद शहर की परिवहन व्यवस्था ही चल पड़े। मगर जिस परिवार ने अपना सदस्य खोया, उसे रिपोर्ट नहीं, न्याय चाहिए। घायलों को सरकारी बयान नहीं, इलाज चाहिए। नागरिक को आश्वासन नहीं, यह भरोसा चाहिए कि अगली बस उसके घर से किसी को अस्पताल नहीं पहुँचाएगी। “दुर्भाग्यपूर्ण घटना” कहना आसान है, जिम्मेदार तय करना मुश्किल। इसलिए व्यवस्था फिर वही करती है—जाँच बैठा देती है।बस पर पथराव और तोड़फोड़ गलत है, लेकिन जनता के गुस्से का कारण भी समझना होगा। हादसे के बाद भीड़ ने कांच फोड़े और बस में तोड़फोड़ की। जब नागरिक को लगे कि उसकी जान से ज्यादा अहमियत उद्घाटन और प्रचार को है, तो गुस्सा शीशे से आगे व्यवस्था तक पहुँचता है। जनता को संयम सिखाना आसान है, सत्ता को सावधानी सिखाना कठिन। जो व्यवस्था नागरिक से ट्रैफिक नियमों का पालन कराती है, उसे पहले अपनी बस की फिटनेस का हिसाब देना चाहिए। एक तरफ नियम तोड़ने पर चालान, दूसरी तरफ सरकारी बस की फिटनेस संदिग्ध—यह अनुशासन नहीं, दो तराजू हैं। नियम जनता के लिए और सुरक्षा कागजों के लिए कब तक?

सरकार के लिए बस शुरू करना उपलब्धि हो सकती है, मगर उसे सुरक्षित चलाना असली परीक्षा है। यहाँ अक्सर फीता पहले कटता है, फिटनेस बाद में देखी जाती है; कैमरे पहले आते हैं, तकनीकी जाँच बाद में। प्रचार समय पर होता है, जवाबदेही हमेशा देर से। सार्वजनिक परिवहन की सफलता उद्घाटन नहीं, वह दिन है जब बस बिना हादसे रोज चले, ड्राइवर सुरक्षित लौटे और यात्री सकुशल घर पहुँचे—भले इसकी तस्वीर कहीं न छपे। मंच पर तालियाँ मिल सकती हैं, सड़क पर सुरक्षा नहीं। शासन की असली परीक्षा कैमरे के सामने नहीं, सड़क पर होती है।

हर हादसे के पीछे सिर्फ एक क्षण नहीं, उससे पहले की पूरी व्यवस्था होती है। ब्रेक फेल हुआ तो सवाल सिर्फ तकनीकी खराबी का नहीं—यह भी कि उसे पहले क्यों नहीं पकड़ा गया। घायल संख्या नहीं हैं, राजवाड़ा की अफरातफरी मामूली घटना नहीं और टूटा काउंटर सिर्फ संपत्ति का नुकसान नहीं। पुरानी बसों का सवाल भी एक वाहन तक सीमित नहीं। असली सवाल है—योजना कैसे बनी, बसें कैसे चुनी गईं और सुरक्षा कहाँ जाँची गई? यदि लापरवाही या नियमों की अनदेखी हुई है, तो इसे “दुर्घटना” कहकर फाइल बंद करना हादसे के बाद का दूसरा अन्याय होगा।

अब सरकार को भाषण नहीं, जवाब देना है। मृतक परिवार को न्याय, घायलों को पूरा इलाज और नागरिकों को साफ जानकारी चाहिए। बस को किसने पास किया, फिटनेस प्रमाणपत्र किसने दिया, संचालन की अनुमति किसने दी और निगरानी कहाँ हुई—इन सवालों के जवाब सार्वजनिक होने चाहिए। बस सभी मानकों पर खरी थी तो ब्रेक फेल होने की वजह सामने आए; मानकों की अनदेखी हुई तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। वरना नया मंच सजेगा, नया रंग चढ़ेगा और पुरानी लापरवाही फिर सड़क पर उतर आएगी।

एक बस का हादसा हुआ है, लेकिन जोखिम सिर्फ एक बस तक सीमित नहीं। इंदौर में सुगम सेवा की करीब 145 बसें (50 इंटरसिटी + 95 इंट्रासिटी) और पीएम ई-बस सेवा की बसों समेत प्रदेश में प्रारंभिक चरण में 351 बसें शुरू हुई हैं। सवाल है—क्या इन सभी की फिटनेस, ब्रेक सिस्टम और चालक प्रशिक्षण की तत्काल दोबारा जाँच होगी, या अगला “दुर्भाग्यपूर्ण” हादसा होने तक बसें यूँ ही चलती रहेंगी? इस मौत के बाद भी बिना ताजा तकनीकी जाँच बसें सड़क पर उतारी गईं, तो यह महज लापरवाही नहीं, जानबूझकर जोखिम उठाने वाली व्यवस्था का सवाल बनेगा।

राजवाड़ा का हादसा सिर्फ एक बस की उम्र का सवाल नहीं, व्यवस्था की सोच का आईना है। कब तक पुराने ढर्रे पर नया रंग चढ़ाकर उसे नई योजना बताया जाएगा? जनता को बस की चमक दिखाई जाती है, भीतर की सुरक्षा नहीं। सड़क पर रंग नहीं, ब्रेक काम आते हैं; भाषण नहीं, तकनीकी जाँच हादसे रोकती है। उद्घाटन नहीं, जवाबदेही सुरक्षा देती है। अगर अब भी सबक नहीं लिया गया तो अगली दुर्घटना फिर “दुर्भाग्यपूर्ण” कहलाएगी, समिति बैठेगी और फाइल चलेगी। हमारे यहाँ हादसा खत्म होते ही जिम्मेदारी शुरू नहीं होती, उसे खत्म करने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हमे हमेसा यह याद रखना चाहिए की खुशी जीवन की यात्रा का एक तरीका है न की जीवन की मंजिल।

:रॉय गुडमैन

यदि आप अपनी यादाश्त का परिक्षण करना चाहते है तो याद करे की आज आप एक साल पहले क्या चिंता कर रहे थे।

: ई। जोसेफ कॉसमैन

कांग्रेस-सपा के बीच सीट बंटवारे से पहले खिंची तलवारें

उत्तर प्रदेश की चुनावी जमीन पर 2027 की फसल अभी तैयार नहीं हुई है, लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच हिस्सेदारी को लेकर काट-छांट शुरू हो गई है। ऊपर से दोनों दल साथ दिखाई देना चाहते हैं, नीचे कार्यकताओं और नेताओं के बीच यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि गठबंधन में किसकी जमीन कितनी और किसकी कीमत कितनी। यही वह सवाल है जिसने सीट बंटवारे को महज चुनावी समझौते के बजाय दोनों दलों की राजनीतिक हैसियत की लड़ाई बना दिया है।सितंबर के आखिरी सप्ताह में जिस तरह इमरान मसूद, इकरा हसन, अजय राय और दूसरे नेताओं के बयान सामने आए, उससे यह साफ है कि असली बेचैनी सीटों की संख्या से पहले नेतृत्व और प्रभाव क्षेत्र को लेकर है। इमरान मसूद लगातार जल्द सीट बंटवारा तय करने की मांग कर रहे हैं और कह रहे हैं कि देरी का नुकसान जमीन पर हो रहा है। इकरा हसन ने जवाब में सपा को उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ बड़ी ताकत बताया और कांग्रेस के अकेले लड़ने की स्थिति पर सवाल उठाए। अजय राय ने इसे इकरा की निजी राय बताया। यानी गठबंधन बना रहने की बात अपनी जगह है, लेकिन गठबंधन के भीतर राजनीतिक वर्चस्व की बहस खुलकर बाहर आ चुकी है।

अखिलेश यादव ने इस बयानबाजी को रणनीति का हिस्सा बताया है। रायबरेली में उनकी पीडीए यात्रा और उसके जवाब में कांग्रेस की ओर से इटावा, कन्नौज और सैफई में कार्यक्रम की बात भी इसी राजनीतिक रस्साकशी का विस्तार है। सहयोगी दल यदि एक-दूसरे के प्रभाव क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन करने लगें तो संदेश केवल मंच तक नहीं रहता, वह सीट बंटवारे की मेज तक पहुंचता है।कांग्रेस की मुश्किल यह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव ने उसे उत्तर प्रदेश में अपनी वापसी का आधार दिया है, लेकिन विधानसभा के आंकड़े उसकी स्थिति को अलग कहानी में रखते हैं। 2024 में सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह लोकसभा सीटें जीतीं। दोनों की संयुक्त संख्या 43 रही, जबकि भाजपा 33 पर रही। सपा का मत प्रतिशत करीब 33.59 और कांग्रेस का 9.46 प्रतिशत था। पांच साल पहले 2019 में सपा के पास पांच और कांग्रेस के पास केवल एक लोकसभा सीट थी। यानी 2024 ने विपक्षी गठबंधन को नई राजनीतिक जमीन दी। लेकिन इस सफलता को विधानसभा सीटों में सीधे बदलना संभव नहीं है।

क्योंकि विधानसभा का गणित कहीं अधिक स्थानीय है। 2022 में भाजपा ने 255 सीटें जीतीं और उसका मत प्रतिशत 41.29 रहा। सपा 111 सीटों और 32.06 प्रतिशत मत के साथ मुख्य विपक्षी दल बनी। कांग्रेस केवल दो सीटों तक रह गई। यह आंकड़ा कांग्रेस की मौजूदा चुनौती को साफ करता है। लोकसभा में छह सीटें जीतना राजनीतिक पुनरुत्थान का संकेत हो सकता है, लेकिन 403 विधानसभा क्षेत्रों में प्रभाव साबित करने के लिए केवल लोकसभा का आंकड़ा पर्याप्त नहीं होगा।यही कारण है कि यदि कांग्रेस 125 से अधिक सीटों पर अपना दावा रखती है तो सपा के लिए उसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा। दूसरी ओर कांग्रेस के लिए भी कम सीटों पर समझौता करना राजनीतिक रूप से आसान नहीं होगा। वह उत्तर प्रदेश में लंबे समय बाद संगठन को अपने पैरों पर खड़ा करने की कोशिश कर रही है। ऐसे में बहुत कम सीटें उसे फिर उसी स्थिति में धकेल सकती हैं जहां वह बड़े सहयोगी की छाया में दिखाई दे। इसलिए कांग्रेस की लड़ाई केवल सीटों की नहीं, अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान की भी है।सपा की स्थिति भी कम पेचीदा नहीं है। 2024 में 37 लोकसभा सीटें जीतने के बाद पार्टी के पास अपने दावे का मजबूत आधार है। अखिलेश यादव की पीडीए रणनीति के तहत पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक सामाजिक समूहों तक पहुंच बढ़ाने की कोशिश चल रही है। ऐसे में सपा यह क्यों चाहेगी कि जिन सीटों पर उसका संगठन वर्षों से काम कर रहा है, वहां कांग्रेस को केवल लोकसभा के प्रदर्शन के आधार पर प्राथमिकता मिल जाए? यही सवाल सपा के भीतर भी उठना स्वाभाविक है।2017 का इतिहास दोनों दलों को बार-बार आईना दिखाता है। उस चुनाव में सपा 311 सीटों पर लड़ी और 47 जीत सकी। कांग्रेस ने 114 सीटों पर चुनाव लड़ा और सात सीटें जीतीं। भाजपा ने 312 सीटें जीतकर सरकार बनाई। उसका मत प्रतिशत 39.67 था, जबकि सपा को 21.82 और कांग्रेस को 6.25 प्रतिशत मत मिले। गठबंधन के बावजूद कई सीटों पर प्रत्याशी चयन और संगठनात्मक तालमेल की समस्या रही। यानी ऊपर समझौता था, लेकिन नीचे चुनावी मशीनरी पूरी तरह एक नहीं हो पाई। यही वह गलती है जिसे 2027 में दोहराने की सबसे बड़ी कीमत दोनों दलों को चुकानी पड़ सकती है।

2024 ने इसका दूसरा मॉडल दिखाया। सीटों का समझौता अपेक्षाकृत स्पष्ट रहा, दोनों दलों ने साझा प्रचार किया और कार्यकताओं को एक-दूसरे के उम्मीदवार के पक्ष में काम करने का संदेश दिया। परिणाम में दोनों दलों की संयुक्त 43 लोकसभा सीटें सामने आईं। मगर विधानसभा चुनाव में यही तालमेल तभी काम करेगा जब उम्मीदवारों और बूथ स्तर के संगठन के बीच भी वैसा ही समन्वय बने। वरना मंच पर साथ और मतदान केंद्र पर अलग-अलग राजनीति का पुराना संकट लौट सकता है।मुस्लिम मतदाताओं के बीच कांग्रेस की सक्रियता इस समीकरण को और संवेदनशील बना रही है। सहारनपुर से इमरान मसूद की जीत ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक आधार दिया है। दूसरी ओर सपा भी मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपने पारंपरिक प्रभाव को बनाए रखना चाहती है। ऐसे में दोनों दल यदि एक ही सामाजिक आधार पर अपने प्रभाव का विस्तार करने लगेंगे तो सीटों का समझौता और कठिन होगा। गठबंधन का गणित तभी आसान होता है जब सहयोगी दल अपने-अपने आधार जोड़ें; मुश्किल तब बढ़ती है जब दोनों एक ही आधार पर हिस्सेदारी मांगने लगें।

30 सितंबर की दिल्ली बैठक में अखिलेश यादव का शामिल न होना इसी पूरे घटनाक्रम के बीच चर्चा में है, लेकिन इसे गठबंधन टूटने का प्रमाण मानना अभी उचित नहीं होगा। उन्होंने अपनी अनुपस्थिति का कारण बताया है और वरिष्ठ नेता को बैठक में भेजने की बात कही है। इसलिए असली संकेत बैठक से नहीं, सीट बंटवारे की बातचीत से मिलेगा। अब दोनों दलों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि 403 सीटों को राजनीतिक प्रतिष्ठा का मैदान बनाया जाएगा या चुनावी क्षमता का। किस सीट पर कौन मजबूत है, कहां संगठन सक्रिय है, किस उम्मीदवार की स्थानीय पकड़ है और किस दल के वोट दूसरी पार्टी के प्रत्याशी को वास्तव में मिल सकते हैं सीटों का बंटवारा इन्हीं सवालों से तय होना चाहिए। केवल पिछले चुनाव की जीती सीटों की गिनती से यह काम नहीं होगा।आखिरकार 2017 ने चेताया कि गठबंधन का नाम वोट नहीं दिलाता, 2022 ने विधानसभा स्तर पर दोनों दलों की असमान ताकत दिखाई और 2024 ने यह साबित किया कि तालमेल हो तो राजनीतिक तस्वीर बदल सकती है। 2027 की असली परीक्षा अब शुरू हुई है। सपा और कांग्रेस को तय करना है कि वे एक-दूसरे के खिलाफ अपनी जमीन बचाने में ज्यादा ऊर्जा लगाएंगे या भाजपा के खिलाफ साझा मैदान तैयार करने में। फिलहाल गठबंधन टूटा नहीं है, लेकिन उसकी सबसे कठिन लड़ाई शुरू हो चुकी है सीटों की सूची सामने आने से पहले ही दोनों दल अपने-अपने हिस्से की राजनीतिक कीमत तय करने में जुट गए हैं।

संजय सक्सेना

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7648

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7647 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

दैनिक पंचांग

29 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.15 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	09.29 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.45 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.50 बजे से
गुरू	कर्क में	कुंभ	15.37 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.10 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.20 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.18 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.32 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.48 बजे से
बजे तक		कन्या	05.00 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 272 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 17.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 09.04 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 06.13 बजे तदनन्तर हर्षण 03.20 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 06.14 बजे, विष्टि 17.11 बजे तदनन्तर बव 04.04 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 20' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872847 **जूलियन दिन** 2461312.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 17 **विशेष** महा भरणी, विघ्नराज संकष्टी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

भारतीय परिव्राजक मेधा और वैश्विक चेतना

वैश्विक विचार, देशाटन और ज्ञान अन्वेषण की आधुनिक प्रवृत्तियों को जब हम वर्तमान युग की देन मानते हैं, तब हम अनजाने में ही मानवीय मेधा के उस सनातन इतिहास की उपेक्षा कर रहे होते हैं. जिसका उद्गम भारत की पुण्यभूमि पर हुआ था। वर्तमान विश्व जिसे टूरिज्म कहता है, वह भारतीय मनीषा के लिए कभी मात्र मनोरंजन या इंद्रिय सुख का साधन नहीं था, अपितु वह देशाटन, पर्यटन और तीर्थाटन के रूप में आत्म साक्षात्कार, सांस्कृतिक विनिमय तथा ब्रह्मांडीय चेतना के विस्तार का महामार्ग था। आधुनिक वैश्विक पर्यटन उद्योग जहां भौगोलिक विस्थापन को आर्थिक लाभ के तराजू पर तौलता है, वहीं ऋग्वेद और ऐतरेय ब्राह्मण के ऋषि गतिशीलता को ही जीवन का पर्याय मानते हैं। ऐतरेय ब्राह्मण 7/15 का प्रसिद्ध चरैवेति सूक्त वैश्विक विचार की वह धुरी है, जो मनुष्य को निरंतर आगे बढ़ने, नई संस्कृतियों से साक्षात्कार करने और संकुचित सीमाओं को तोड़ने की प्रेरणा देती है-

चरन्वै मधु विन्दति चरन्स्वादुमुदुम्बरम्।
सूर्यस्य पश्य श्रेमाणं यो न तन्द्रयते चरंश्चरैवेति।।

ऋषि स्पष्ट करते हैं कि जो बैठ जाता है, उसका भाग्य भी बैठ जाता है, जो खड़ा रहता है, उसका भाग्य खड़ा हो जाता है, और जो निरंतर गतिशील रहता है, उसका भाग्य भी आगे बढ़ता है। सूर्य को देखिए, जो कभी आलस्य नहीं करता और निरंतर भ्रमणशील रहता है। वैदिक काल का यह देशाटन या भ्रमण केवल मनोरंजन नहीं था। इसे ज्ञान यज्ञ माना जाता था। ऋग्वेद में प्रयुक्त शब्द उरुलोक (विशाल अंतरिक्ष या संसार) का संधान वही कर सकता है, जो अपने संकीर्ण कूप से बाहर निकलता है। प्राचीन काल में ज्ञानार्जन के लिए सुदूर क्षेत्रों की यात्रा अनिवार्य थी। इस भू सांस्कृतिक विनिमय ने ही भारत को वसुधैव कुटुम्बकम् का वैश्विक विचार देने में सक्षम बनाया।

प्राचीन ग्रंथों के सूक्ष्म अनुशीलन से यह सिद्ध होता है कि भारतीय मेधा ने यात्रा के प्रयोजनों का अत्यंत वैज्ञानिक वर्गीकरण किया था। कौटिल्य के अर्थशास्त्र और शुक्रनीति के आलोक में यात्राओं को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में विभक्त किया जा सकता है, जो आधुनिक पर्यटन के सांस्कृतिक, व्यापारिक और आध्यात्मिक स्वरूपों का मूल हैं- पर्यटन (अध्ययन और संस्कृति हेतु), देशाटन (भौगोलिक एवं वाणिज्यिक हेतु) और तीर्थाटन (आध्यात्मिक और पारिस्थितिक हेतु)। पर्यटन में दो शब्द हैं- परी अर्थात चारों ओर, और अटन अर्थात भ्रमण करना। विशिष्ट स्थलों की कला, संस्कृति, शासन व्यवस्था और लोक-व्यवहार को समझने के लिए की जाने वाली यात्रा पर्यटन कहलाती थी।

देशाटन -देश के विभिन्न अंचलों के भूगोल को जानना, व्यापारिक मार्गों, जैसे उत्तरापथ और दक्षिणापथ का संधान करना और आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करना देशाटन का मुख्य ध्येय था।

तीर्थाटन में तीर्थ का अर्थ है वह स्थान जो तार दे, जो अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाए। भारत के चार कोनों में स्थापित चार धाम, बद्रीनाथ, द्वारका, जगन्नाथपुरी, रामेश्वरम, भौगोलिक रूप से अखंड राष्ट्र की चेतना को जाग्रत रखने के लिए ऋषियों द्वारा निर्मित किए गए अद्भुत सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र थे।महाभारत के वनपर्व 85/3 में धौम्य ऋषि युधिष्ठिर को भारतवर्ष के तीर्थों और पर्वतों की महत्ता बताते हुए कहते हैं कि इन स्थानों पर जाने से मनुष्य की बुद्धि संकीर्णता से मुक्त होकर वैश्विक और सर्वसमावेशी हो जाती है। यह दृष्टिकोण आधुनिक इको टूरिज्म और कल्चरल टूरिज्म का ही प्राचीनतम अधिष्ठान है।

बौद्ध धर्म के उदय ने पर्यटन के वैश्विक आयाम को एक नई ऊंचाई प्रदान की। भगवान बुद्ध ने अपने भिक्षुओं को बहुजन हिताय बहुजन सुखाय के लिए निरंतर भ्रमण करने का आदेश दिया। बौद्ध ग्रंथ महावग्ग में बुद्ध का यह निर्देश द्रष्टव्य है-

चरथ भिक्खवे चारिकं बहुजनहिताय बहुजनसुखाय लोकानुकम्पाय... ।।

बुद्ध ने भिक्षुओं के लिए केवल वर्षावास (तीन महीने के चातुर्मास) को छोड़कर शेष नौ महीने निरंतर यात्रा करने का नियम बनाया। इस नियम के कारण बौद्ध भिक्षु सिल्क रूट (रेशम मार्ग) से होते हुए मध्य एशिया, चीन, तिब्बत, श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंचे। यह केवल धार्मिक प्रचार नहीं था, वरन यह प्राचीन जगत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक पर्यटन आंदोलन था, जिसने वैश्विक स्तर पर भारतीय दर्शन, आयुर्वेद, स्थापत्य कला और लिपि का प्रसार किया। जैन आगमों में भी साधु को विहारी कहा गया है, जो एक स्थान पर स्थिर न रहकर निरंतर पाद विहार (पैदल यात्रा) करता है। कल्पसूत्र के अनुसार इस प्रकार के भ्रमण से साधु समाज की वास्तविक स्थिति से परिचित होता है और जनमानस के कष्टों को दूर करने का प्रयास करता है। यह भ्रमण आज के सोशल टूरिज्म की भांति समाज को एकात्म करने का माध्यम था।

रामायण और महाभारत केवल महाकाव्य नहीं हैं, वे प्राचीन भारत के विस्तृत भूगोल के जीवंत ट्रैवल गाइड हैं। श्री राम का अयोध्या से जनकपुर जाना (उत्तर से पूर्व) और तत्पश्चात अयोध्या से दंडकारण्य होते हुए लंका तक जाना (उत्तर से दक्षिण), यह संपूर्ण यात्रा भारतवर्ष के विभिन्न जनपदों, वनों, नदियों और जनजातियों को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का महाप्रयास थी। रामायण किष्किन्धा काण्ड में सुग्रीव द्वारा चारों दिशाओं में सीता की खोज के लिए भेजे गए वानरों को जो भौगोलिक निर्देश दिए गए हैं, वह तत्कालीन वैश्विक भूगोल की सूक्ष्म जानकारी को प्रमाणित करता है। महाभारत काल में अर्जुन का 12 वर्ष का देश भ्रमण और पांडवों की तीर्थ यात्राएं प्राचीन भारत के पर्यटन बुनियादी ढांचे को दर्शाती हैं। इन ग्रंथों में स्पष्ट उल्लेख है कि यात्रियों के विश्राम के लिए मार्गों पर शालाएं (धर्मशालाएं), प्रपा (प्याऊ) और छायादार वृक्ष लगाए जाते थे।

आज का वैश्विक पर्यटन उद्योग जिस हॉस्पिटैलिटी और लॉजिस्टिक्स पर टिका है, उसका बीजारोपण प्राचीन भारत की अतिथि देवो भव की अवधारणा में निहित था। राजाओं का यह परम कर्त्तव्य माना जाता था कि वे सार्थवाहों (व्यापारिक कारवानों) और परिव्राजकों (यात्रियों) की सुरक्षा सुनिश्चित करें। कौटिल्य का अर्थशास्त्र प्राचीन भारत के प्रशासनिक और व्यावहारिक धरातल को अनावृत करता है। कौटिल्य ने विदेशी यात्रियों और व्यापारियों के आगमन को सुगम बनाने के लिए कड़े नियम तय किए थे। अर्थशास्त्र के मुद्राध्यक्ष प्रकरण के अनुसार राज्य में प्रवेश करने वाले प्रत्येक यात्री के पास एक राजकीय मुद्रा (सील) युक्त पास होना अनिवार्य था, जिसे पारपत्र कहा जाता था। इसके बिना राज्य की सीमाओं में प्रवेश वर्जित था। यह आधुनिक वीजा और पासपोर्ट प्रणाली का प्राचीनतम रूप है। विदेशी और स्वदेशी व्यापारियों के समूहों को सार्थ कहा जाता था और उनके मार्गदर्शक को सार्थवाह। कौटिल्य निर्देश देते हैं कि जंगलों और दुर्गम मार्गों पर सार्थ की सुरक्षा की जिम्मेदारी राजकीय पुलिस (अन्तपाल) की होगी। यदि कोई विदेशी यात्री बीमार हो जाता था, तो राज्य के चिकित्सकों द्वारा उसका निःशुल्क उपचार किया जाता था। यदि उसकी मृत्यु हो जाती थी, तो उसकी संपत्ति को सुरक्षित रखकर उसके उत्तराधिकारी को सौंपा जाता था। यह वैश्विक विचार आज के टूरिस्ट प्रोटेक्शन लॉ से कहीं अधिक मानवीय और उन्नत था।

भारतीय पर्यटन की वैश्विक महत्ता इस तथ्य से भी सिद्ध होती है कि प्राचीन काल में तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे विश्वविद्यालय वैश्विक एजुकेशनल टूरिज्म के सबसे बड़े केंद्र थे। चीन से आए फाहियान, ह्वेनसांग (युआन च्वांग) और इत्सिंग जैसे यात्री केवल बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन करने नहीं आए थे, वे ज्ञान के खोजी पर्यटक थे। ह्वेनसांग ने अपने यात्रा वृत्तांत सी-यू-की में भारत के सामाजिक जीवन, मार्गों की स्थिति, सराय (विश्राम गृहों) और यहाँ के आतिथ्य भाव का जो विस्तृत विवरण दिया है, वह प्राचीन भारतीय पर्यटन व्यवस्था की वैश्विक प्रामाणिकता का अकाट्य दस्तावेज है। इसी प्रकार, यूनानी राजदूत मेगास्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में पाटलिपुत्र के सैन्य और नागरिक प्रशासन के साथ-साथ मौर्य साम्राज्य के अंतर्गत आने वाले चौड़े राजमार्गों, विशेषकर रॉयल हाइवे जो बाद में जी.टी. रोड बना) का उल्लेख किया है, जिसके दोनों ओर दूरी दर्शाने वाले स्तंभ (माइलस्टोन) लगे होते थे। आज का वैश्विक पर्यटन जहां उपभोगवादी हो चुका है, जिसके कारण पर्यावरण का क्षरण, व्यावसायिक अंधाधुंध निर्माण और सांस्कृतिक प्रदूषण बढ़ रहा है, वहीं प्राचीन भारतीय ग्रंथों का पर्यटन दर्शन हमें चेतन और उत्तरदायी पर्यटन का मार्ग दिखाता है। प्राचीन भारत ने सिखाया कि यात्रा केवल शरीर का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना नहीं है, बल्कि वह आत्मा के परिष्कार और वैश्विक बंधुत्व को सुदृढ़ करने की एक साधना है। वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार केवल बैठकर नहीं, बल्कि संपूर्ण पृथ्वी को अपने पैरों से नापकर और प्रत्येक संस्कृति को आत्मसात करके ही उपजा था।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में नाजी सहयोगियों से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग बढ़ी : रूसी राजदूत

वॉशिंगटन। कनाडा में इतिहासकारों, पत्रकारों और नागरिक संगठनों की ओर से उन नाजियों और उनके सहयोगियों से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग तेज हो रही है, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कनाडा में शरण ली थी। ओटावा में रूस के राजदूत ओलेग स्टेपानोव ने यह दावा किया है। रूसी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती से बातचीत में स्टेपानोव ने कहा कि इतिहासकारों, पत्रकारों और यहूदी संगठनों का एक वर्ग कनाडा सरकार पर संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने और देश के अतीत का ईमानदारी से आकलन करने के लिए दबाव बढ़ा रहा है। हालांकि, उनके अनुसार कनाडाई अधिकारी इस मामले में टाल-मटोल कर रहे हैं। स्टेपानोव ने कनाडाई संसद में पूर्व वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन के सैनिक यारोस्लाव हुंका को सम्मानित किए जाने से जुड़े विवाद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस घटना पर हुई प्रतिक्रिया से पता चला कि कनाडा में इस तरह के मामलों को लेकर व्यापक स्तर पर आपत्ति है। हुंका को सितंबर 2023 में कनाडाई संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में तत्कालीन स्पीकर एंथनी रोटा ने सम्मानित किया था। बाद में यह सामने आने के बाद कि हुंका ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन में सेवा की थी, इस घटना पर कनाडा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना हुई। रोटा ने बाद में स्पीकर पद से इस्तीफा दे दिया। स्टेपानोव ने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी की वाफेन-एसएस गैलिज़ियन डिवीजन में हुंका की सेवा का इतिहास गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने रूसी जांच समिति के अध्यक्ष अलेक्जेंडर बास्त्रिकिन के उस दावे का भी उल्लेख किया, जिसमें हुंका और उसके साथियों पर कम से कम 500 सोवियत नागरिकों की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, 500 लोगों की हत्या में हुंका की व्यक्तिगत भूमिका से जुड़ा यह दावा रूसी अधिकारियों का आरोप है और इसे स्वतंत्र रूप से स्थापित तथ्य के रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

एर्दोगन के खिलाफ आईसीसी में मुकदमा चलाएंगे नेतन्याहू: रिपोर्ट

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में मुकदमा चलाने की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इजराइली ब्रॉडकास्टर आई24 ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने इजराइल के एक अंतर-एजेंसी समूह और अंतरराष्ट्रीय कानून विभाग के निदेशक को एर्दोगन के खिलाफ संभावित आईसीसी मामले की तैयारी शुरू करने को कहा है। प्रस्तावित मामले में कुर्द लोगों के साथ तुर्किए के व्यवहार और हमास को कथित समर्थन तथा फंडिंग से जुड़े आरोपों को शामिल किए जाने की बात कही गई है। आई 24 के अनुसार, यह कदम तुर्किए के न्याय मंत्रालय द्वारा इंटरपोल से नेतन्याहू के खिलाफ 'रेड नोटिस' जारी करने का अनुरोध किए जाने के बाद उठाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल आईसीसी में स्वतंत्र रूप से मामला आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, हालांकि इजराइली अधिकारी किसी तीसरे पक्ष या मध्यस्थ के जरिए प्रक्रिया शुरू करने पर भी विचार कर सकते हैं। इजराइल और तुर्किए दोनों ने रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और आईसीसी के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार नहीं किया है। एर्दोगन लंबे समय से इजराइल की गाजा नीति की आलोचना करते रहे हैं। वे गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई को 'जनसंहार' बताते रहे हैं और हमास के सदस्यों को 'प्रतिरोध सेनानी' कहते हैं। तुर्किए ने हमास के वरिष्ठ नेताओं को राजनीतिक समर्थन देने की बात भी सार्वजनिक रूप से कही है। इजराइली मीडिया ने इससे पहले अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति के दूत जेरेड कुशनर की इजराइल यात्रा के दौरान नेतन्याहू के साथ हुई चर्चाओं में तुर्किए द्वारा हमास को कथित वित्तीय समर्थन का मुद्दा शामिल होने की रिपोर्ट दी थी। नवंबर, 2024 में आईसीसी ने गाजा में कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर नेतन्याहू और इजराइल के तत्कालीन रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इजराइल ने इन आरोपों और आईसीसी की कार्रवाई को खारिज किया था।

अभिनेत्री रकुल प्रीत,फिल्म निर्माता वाशु भगनानी और पैनोरमा स्टुडियो सहित कई ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

मुंबई। आयकर विभाग ने सोमवार को सुबह से फिल्म अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, फिल्म निर्माता वाशु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज सहित 12 ठिकानों पर वित्तीय अनियमितता मामले में छापेमारी कर रही है। छापेमारी की अधिकृत जानकारी आयकर विभाग की ओर से नहीं दी गई है। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार बॉलीवुड और फिल्म जगत से जुड़े लोगों तथा कंपनियों के फिल्म प्रोजेक्ट्स, शूटिंग, ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूशन और प्रोडक्शन के नाम पर कथित तौर पर विदेशों में रकम भेजे जाने से जुड़े मामलों की जांच के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। आयकर विभाग को वित्तीय लेनदेन में कथित अनियमितताओं और कर संबंधी गड़बडियों को लेकर कुछ इनपुट मिले थे। इन्हीं के आधार पर मुंबई आयकर विभाग की अलग-अलग टीमें कई परिसरों पर तलाशी ले रही हैं। फिलहाल आयकर विभाग का सर्च ऑपरेशन जारी है। तलाशी के दौरान वित्तीय दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। विभाग की ओर से कार्रवाई को लेकर अभी विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जांच पूरी होने के बाद ही कथित वित्तीय अनियमितताओं की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। रकुल प्रीत सिंह ने दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी और बाद में हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। वह 'दे दे प्यार दे', 'डॉक्टर जी' और 'पति पत्नी और वो' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वह आगामी फिल्म 'रामायण' से भी जुड़ी हैं।

सुभाष राय और लीलाधर मंडलोई को 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान'

बेंगलुरु। बेंगलुरु की साहित्यिक संस्था 'शब्द' ने वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस वर्ष 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' संयुक्त रूप से जीवनीकार सुभाष राय और कवि-लेखक लीलाधर मंडलोई को दिया जाएगा। वहीं, 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के लिए भाषा-सेवी नारायण साव का चयन किया गया है। संस्था ने इस वर्ष से 'राजस्थान गौरव पुरस्कार' शुरू करने की भी घोषणा की है। इसका पहला सम्मान जयपुर की प्रसिद्ध लोक गायिका सीमा मिश्रा को दिया जाएगा। 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ. श्रीनारायण समीर ने सोमवार को बताया कि एक लाख रुपये का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' सुभाष राय को उनकी कृति 'दिगम्बर विद्रोहिणी अक्क महादेवी' और लीलाधर मंडलोई को उनकी आत्मकथा 'जब से आंख खुली हैं' के लिए दिया जाएगा। दोनों साहित्यकारों को 51-51 हजार रुपये की नकद राशि के साथ पारंपरिक मैसूर पेटा, स्मृति चिह्न, श्रीफल और अंगवस्त्रम् प्रदान किए जाएंगे। 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के तहत नारायण साव को सम्मान प्रतीकों के अलावा 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। यह राशि बेंगलूर और चेन्नई से प्रकाशित 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' अखबार समूह के सौजन्य से प्रदान की जाएगी। निर्णायक मंडल के अनुसार, पावर ग्रिड के दक्षिण क्षेत्र और हिंदीतर प्रदेशों के कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के कामकाज में हिंदी को प्रभावी भाषा बनाने में नारायण साव का योगदान उल्लेखनीय रहा है। डॉ. समीर ने बताया कि 'शब्द' की ओर से अब प्रत्येक वर्ष एक लाख रुपये का 'राजस्थान गौरव पुरस्कार' दिया जाएगा। यह सम्मान राजस्थान में कला, संस्कृति, संगीत और समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली किसी एक हस्ती को प्रदान किया जाएगा। पहला पुरस्कार लोक गायिका सीमा मिश्रा को मिलेगा। निर्णायक मंडल ने कहा कि उनकी गायकी और लोक-संगीत की प्रस्तुति राजस्थान तथा सीमावर्ती गुजरात के मरु-जीवन में विशेष प्रभाव रखती है। इस वर्ष 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' के लिए 53 और 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' के लिए 11 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। बाबूलाल गुप्ता, श्रीकांत पाराशर, नलिनी पोपट, डॉ. उषारानी राव और डॉ. श्रीनारायण समीर के निर्णायक मंडल ने प्रविष्टियों पर विचार के बाद सर्वसम्मति से पुरस्कार विजेताओं का चयन किया।

मायावती ने चुनाव में बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग की

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल बंद कर फिर से बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने बसपा को नुकसान पहुंचाने के लिए आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और वर्तमान नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को गड़बड़ी करके जिताया है। मायावती ने सोमवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में निर्वाचन आयोग पर विपक्षी पार्टियों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों पर सभी का विश्वास फिर से कायम हो, इसके लिए बसपा की पुरजोर मांग है कि ईवीएम से चुनाव तुरंत बंद किया जाए और इसकी जगह बैलेट पेपर से मतदान की प्रक्रिया फिर शुरू की जाए।

बसपा प्रमुख ने कहा कि जब से देश में पहला चुनाव हुआ था तबसे लगभग पांच दशकों तक वोट देने के लिये बैलेट पेपर का इस्तेमाल ही होता था, जो कि गिनती के समय सभी पार्टियों के प्रतिनिधि के सामने ही खोला जाता था और गिना जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया को खत्म करके चुनाव आयोग द्वारा बैलेट पेपर की जगह पर अब ईवीएम का इस्तेमाल किया जाने लगा है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दावा करते हुए कहा कि जब कांग्रेस पार्टी की केन्द्र में सरकार थी तो तब सर्वप्रथम भाजपा ने इसका विरोध किया था। भाजपा के लोगों ने कहा था कि ईवीएम एक मशीन है, जिसमें लगी इलेक्ट्रॉनिक चिप को आसानी से हैक किया जा सकता है। इसका प्रमाण देते हुए एक किताब भी प्रकाशित की थी। आरोप लगाया था कि ईवीएम का दुरूपयोग करते हुये कांग्रेस पार्टी चुनाव जीत जाती है। हैरानी की बात यह है कि जब भाजपा चुनाव जीतकर केन्द्र की सरकार में आ गई तो अब उसने ईवीएम को समाप्त कराने की जगह उसी से वोटिंग करवाने की और गिनती कराने की भी प्रक्रिया को चालू रखा है। बसपा ने शुरू से ही ईवीएम से मतदान कराने का विरोध किया है। मायावती ने आरोप लगाया कि भाजपा ने ईवीएम में धांधली कराके वर्तमान नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को जितवाया है जबकि उसका कोई जनाधार नहीं था। अब इस पार्टी के इशारों पर चलकर देश में जहां-जहां खासकर दलितों पर अन्याय-अत्याचार आदि होता है, तो वहां यह पहुंच जाता है। उनसे धरना-प्रदर्शन आदि कराके व खासकर उसमें युवाओं को आगे करके, उनके विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करवा देता है। इससे फिर इनको जल्दी से अर्थात इनके केस खत्म होने तक सरकारी नौकरी भी नहीं मिल पायेगी, और तब ये लोग कोर्ट-कचहरी आदि के चक्कर में पड़कर पिछड़ते ही चले जायेंगे, जिससे विशेषकर दलितों को तो अब इनके बहकावे में कतई भी नहीं आना है। मायावती ने कहा कि जहां तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) व उससे सम्बन्धित अन्य मामलों को भी लेकर, जो भ्रान्तियां फैली हुई हैं उसे चुनाव आयोग को समय से जरुर दूर करना चाहिये था, जिसकी वजय से हमारी पार्टी भी काफी कुछ सोचने के लिए मजबूर है।

बीरभूम जिले के बोलपुर में भाजपा के बूथ अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में रविवार देर शाम बेखौफ बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान चंदन भल्ला के रूप में हुई है, जो इलाके में भाजपा के बूथ अध्यक्ष थे।

पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने उन्हें पॉइंट ब्लैंक रेंज (बिल्कुल करीब) से गोली मारी है। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव और सनसनी का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही बीरभूम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विदित राज बुंदेश दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह घटना बोलपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 स्थित दुर्गा माता क्लब के पास शाम करीब साढ़े सात बजे के आसपास हुई। चंदन भल्ला जब अपने घर लौट रहे थे, तभी एक बाइक पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उनका रास्ता रोका और उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने के बाद भाजपा नेता लहूलुहान होकर वहीं सड़क पर गिर पड़े, जबकि हमलावर मौका पाकर वहां से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस हत्याकांड के बाद भाजपा नेताओं ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। भाजपा के बोलपुर संगठनात्मक जिला अध्यक्ष श्यामापद मंडल ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि प्रशासन को 24 घंटे के भीतर दोषियों को गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। उन्होंने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर बोलपुर जैसे शहर के बीचों-बीच इस तरह की घटना घट सकती है, तो दूरदराज के इलाकों में सुरक्षा की क्या स्थिति होगी, यह सोचकर ही काफी चिंता होती है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर अपराधियों की धरपकड़ के लिए सघन अभियान शुरू कर दिया है।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर कायस्थ महासभा ने दी श्रद्धांजलि

बरेली । शहीद भगत सिंह की 119 वीं जयंती पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने शांतनु सक्सेना के निवास पर एक गोष्ठी आयोजित की जिसमें भगत सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए और उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। विकल्प सक्सेना और अनूप सक्सेना ने आजादी में उनके योगदान की चर्चा की और युवाओं से उनके इतिहास को पढ़ने को कहा ।

इस अवसर पर अश्विनी कमठान, राजेश सक्सेना पन्नू ज्वैलर्स, सुनील सक्सेना मिलन, रवि सक्सेना, अनूप सक्सेना, शांतनु सक्सेना, शैलेन्द्र सक्सेना शैलू, आदित्य सक्सेना हनी, विकास सक्सेना नीटू, अभिषेक नाथ, राजीव सक्सेना आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विजय ने मदुरै में शुरू की 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना', नवजातों को मिलेगी एक ग्राम सोने की अंगूठी

एजेंसी, मदुरै

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना' की शुरुआत की। योजना के तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों और सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन्म लेने वाले बच्चों को सरकार की ओर से एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी।

कार्यक्रम की शुरुआत तमिल थाई वाज़्थु के साथ हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री विजय ने नवजात बच्चों को अपने हाथों से सोने की अंगूठियां पहनाईं। कई माताओं ने अपने बच्चों को मुख्यमंत्री की गोद में देकर उनके साथ सेल्फी ली। मुख्यमंत्री ने भी बच्चों को गोद में लेकर उन्हें दुलार किया और अंगूठियां पहनाईं।

सरकार ने इस योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में 755.83 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। पहले चरण में 1.28 लाख सोने की अंगूठियां खरीदी गई हैं। योजना का पहला चरण 28 सितंबर से शुरू होकर 14 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान 22 जून 2026 से राज्य के सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी।

योजना के तहत अगले 40 दिनों तक प्रतिदिन दो समय अंगूठियां वितरित की जाएंगी। सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक और दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक वितरण होगा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर प्रतिदिन अधिकतम 50 लाभार्थियों को अंगूठी देने की व्यवस्था की गई है। इनमें सुबह 25 और दोपहर में 25 लाभार्थी शामिल होंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, 28 सितंबर के बाद जन्म लेने वाले बच्चों को संबंधित सरकारी अस्पताल में ही प्रसव के दौरान या निर्धारित प्रक्रिया के तहत 'तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना' का लाभ दिया जाएगा। योजना का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में प्रसव को प्रोत्साहित करने, नवजात के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करने से जुड़ा है।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री विजय मदुरै जिले में कलेक्ट्रेट कार्यालय रोड स्थित पुनर्निर्मित गांधी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। मंदिर में 17 सितंबर को कुंभाभिषेक संपन्न हुआ था।

ग्रामीणों और कमजोर वर्ग को बीमा की उपयोगिता बताना जरूरी : सुरेश खन्ना

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयास से बीमा के बारे में शहरी और आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग में जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों और कमजोर वर्ग तक इसकी पहुंच बढ़ाने की अभी बहुत जरूरत है। बीमारी, दुर्घटना या किसी दूसरी विपरीत परिस्थिति में सबसे ज्यादा आर्थिक संकट कमजोर परिवारों के सामने आता है। ऐसे में बीमा उन्हें आर्थिक सुरक्षा देने और नुकसान कम करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। वित्त मंत्री यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित 'वित्तीय समावेशन-बीमा जरूरी है' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम में बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने हेल्थ इंश्योरेंस, मोटर इंश्योरेंस, क्लेम, सरकारी बीमा योजनाओं और वित्तीय समावेशन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य स्तर पर ऐसी कई योजनाएं चल रही हैं, जिनके बारे में लोगों को जानकारी भी है। इसके बावजूद इनका जितना अधिक प्रचार-प्रसार होगा, उतना ही ज्यादा लोगों को लाभ मिलेगा। खासतौर पर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक बीमा की जानकारी पहुंचाना जरूरी है।

वित्त मंत्री ने वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस का उदाहरण देते हुए कहा कि इसकी अहमियत अक्सर दुर्घटना होने के बाद समझ में आती है। गांवों में कई बार लोग लापरवाही या जानकारी के अभाव में वाहनों का जरूरी बीमा नहीं कराते। दुर्घटना होने और किसी तीसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचने की स्थिति में यह बड़ी आर्थिक परेशानी का कारण बन सकता है।उन्होंने कहा कि थर्ड पार्टी इंश्योरेंस इस तरह के जोखिम को कवर करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए वाहन मालिकों को इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

कार्यशाला में हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि कुछ परिस्थितियों में पॉलिसी की शर्तों के अनुसार नेटवर्क या इम्पैनल्ड अस्पताल से बाहर इलाज कराने पर भी जरूरी दस्तावेज और औपचारिकताएं पूरी होने पर रीइम्बर्समेंट क्लेम किया जा सकता है।वित्त मंत्री ने कहा कि इस तरह की जानकारी आम लोगों तक पहुंचना जरूरी है। कई बार पॉलिसीधारक को अपनी पॉलिसी में उपलब्ध सुविधाओं और क्लेम की प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं होती। इस कारण वह जरूरत के समय बीमा का पूरा लाभ नहीं उठा पाता। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पहले परिवार में किसी व्यक्ति को लिवर सिरोसिस, किडनी की गंभीर बीमारी, कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारी होने पर इलाज का खर्च उठाना बड़ी चुनौती बन जाता था।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर अमृतसर में श्री दरबार साहिब में हुए नतमस्तक

एजेंसी, अमृतसर

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को 28 सदस्यीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब में माथा टेककर श्रद्धा प्रकट की। इस दौरान उन्होंने गुरबाणी कीर्तन श्रवण किया और श्री हरिमंदिर साहिब की मर्यादा तथा सेवा परंपरा के बारे में जानकारी हासिल की। अमेरिकी राजदूत के दौरे से पहले स्वर्ण मंदिर में सुरक्षा कड़ी करके 150 जवान तैनात किये गए थे। गोर का यह श्री हरिमंदिर साहिब का दूसरा दौरा बताया गया है। वह करीब 15 वर्ष पहले भी यहां आ चुके हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी और श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने सूचना केंद्र में अमेरिकी राजदूत का स्वागत किया। उन्हें श्री हरिमंदिर साहिब का स्वर्णिम मॉडल, धार्मिक पुस्तकें और लोई देकर सम्मानित किया गया।

◆ एसजीपीसी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी और ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने किया सम्मानित

बैठक के दौरान अमेरिका में हाल ही में 'मिस्टर सिंह' नाम के इस्तेमाल से जुड़े अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के पोस्टर का मामला भी उठाया गया। एसजीपीसी ने पहले इस पोस्ट पर आपत्ति जताते हुए अमेरिकी दूतावास को पत्र लिखा था, जिसके बाद विवादित पोस्ट हटा दी गई थी। धामी ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए जरूरी कदम उठाने की बात कही

मणिपुर में केवाईकेएल का कैडर एवं गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस लगातार अभियान चलाते हुए उग्रवादियों को गिरफ्तार करने एवं मादक पदार्थों की बरामदगी में जुटी हुई है। इसी कड़ी में उग्रवादी संगठन केवाईकेएल का एक कैडर की जहां गिरफ्तारी हुई है, वहीं गांजा के साथ एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार बीते रविवार को पोरोमपट थानांतर्गत खुराई लैशराम लीकाई में तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान इंफाल ईस्ट सीडीओ की टीम ने उग्रवादी संगठन केवाईकेल के एक सक्रिय सदस्य, खुराई लैशराम लीकाई (इंफाल ईस्ट) निवासी कांगबम रोशन सिंह उर्फ कोरोऊ (22) को गिरफ्तार किया। इस बीच रविवार को ही नेब पुलिस की टीम ने इंफाल वेस्ट के नॉर्थ एओसी इलाके से महाराष्ट्र के ठाणे निवासी ओंप्रकाश आनंद सुर्वणा (49) को लगभग 3.5 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में छाया यूपी स्टार्टअप मिशन

एजेंसी, नोएडा

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-26 (यूपीआईटीएस-26) में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन के पवेलियन में प्रदेश के उभरते स्टार्टअप्स के नवाचार आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। स्टार्टअप मिशन के बैनर तले विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 60 स्टार्टअप्स ने अपने उत्पाद, तकनीक और नवाचार प्रदर्शित किए हैं। पिछले तीन दिनों में 5000 से अधिक विजिटर्स स्टार्टअप पवेलियन का दौरा कर चुके हैं। पवेलियन में आईटी-आईटीईएस, हेल्थटेक, एडटेक, कृषि, डीपटेक और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे स्टार्टअप्स की भागीदारी देखने को मिल रही है।

यूपी स्टार्टअप मिशन सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि यूपीआईटीएस-26 के पवेलियन में 60 स्टार्टअप्स ने प्रतिभाग किया है। इनमें आईटी और आईटीईएस, हेल्थटेक, एडटेक, कृषि, डीपटेक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र प्रमुख हैं। अलग-अलग सेक्टर से आए स्टार्टअप्स ने अपने उत्पादों और तकनीकी समाधानों को प्रदर्शित किया है। वहीं स्टार्टअप पवेलियन को देखने के लिए विजिटर्स की भी अच्छी संख्या पहुंच रही है। पिछले तीन दिनों में 5000 से अधिक लोग पवेलियन का दौरा कर चुके हैं। विजिटर्स ने स्टार्टअप्स के उत्पादों, तकनीकी समाधानों और नवाचारों को देखा तथा उनके बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि यूपी स्टार्टअप मिशन के पवेलियन में भारत इनोवेट्स के लिए चयनित छह स्टार्टअप्स ने भी भागीदारी की है। इन स्टार्टअप्स ने ट्रेड शो में अपने नवाचारों को प्रदर्शित किया। इसके अलावा यूपी स्टार्टअप फंड से वित्त पोषित छह स्टार्टअप्स ने भी पवेलियन में अपने उत्पाद और नवाचार पेश किए हैं।

स्टार्टअप पवेलियन में एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी के सीईओ संदीप कुमार ने भी स्टार्टअप्स के फाउंडर्स से संवाद किया। उन्होंने स्टार्टअप्स के काम और उनके नवाचारों के बारे में जानकारी ली। संवाद सत्र के दौरान उन्होंने स्टार्टअप फाउंडर्स को प्रोत्साहित किया और उनके प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि ट्रेड शो में रक्षा तकनीक और डीपटेक से जुड़े नवाचार भी आकर्षण का केंद्र बने हैं। इनमें आईआईटी कानपुर की डीपटेक स्टार्टअप मराल एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड का सौर ऊर्जा से संचालित अल्ट्रा लॉन्ग एंड्योरेंस यूएवी 'तेजस्वान' खास है। यह फिक्स्ड विंग विमान सौर ऊर्जा और बैटरी के संयोजन से संचालित होता है और लगातार 12 घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम बताया गया है। तेजस्वान में जीपीएस स्पूफिंग-रोधी नेविगेशन, मल्टी-बैंड रेडियो आधारित इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर हार्डनिंग जैसी तकनीकें शामिल हैं। इसकी रेंज करीब 150 किलोमीटर है, जिसे जरूरत के अनुसार 250 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है। इसका टेक-ऑफ वजन 60 किलोग्राम से कम है और यह 5 किलोग्राम तक का पेलोड ले जा सकता है। इसकी अधिकतम गति 25 मीटर प्रति सेकंड बताई गई है और उड़ान भरने के लिए करीब 200 मीटर रनवे की आवश्यकता होती है। इस ड्रोन का इस्तेमाल निगरानी, संचार, लक्ष्य निर्धारण, समुद्री निगरानी और खोज एवं बचाव अभियानों में किया जा सकता है। रक्षा तकनीक के क्षेत्र में 'काल' ड्रोन भी विजिटर्स की जिज्ञासा का केंद्र बना है। यह वन-वे अटैक ड्रोन प्रणाली है, जो करीब 1000 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है और 7 से 8 घंटे तक उड़ान में रह सकती है। इसका अधिकतम टेक-ऑफ वजन 200 किलोग्राम और यह 50 किलोग्राम तक का हाई-एक्सप्लोसिव वारहेड ले जाने में सक्षम बताया गया है।

29-09-2026 T.P. Page 8_Layout 1 29-09-2026 08:14 Page 1

सही मकसद वाले किरदार का था इंतजार

टीवी की दुनिया में अपनी एक्टिंग और अलग अंदाज से पहचान बनाने वाली रश्मि देसाई एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। लंबे समय बाद अभिनेत्री नए शो 'सयोनी' में नजर आ रही हैं। रश्मि के लिए यह वापसी सिर्फ एक और टीवी प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर लौटने का मौका है, जिससे वह खुद को जोड़ पाई हैं। 'सयोनी' को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए रश्मि ने कहा, ''शो में मेरा किरदार माया सिर्फ एक कल्पना नहीं है, बल्कि एक बहुत ही प्रैक्टिकल किरदार है। मुझे कई ऑफर मिले थे, लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया क्योंकि मैं उन कहानियों और किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही थीं। हर कलाकार चाहता है कि उसे ऐसा किरदार मिले, जो अच्छी तरह लिखा गया हो और जिसे निभाने में उसे कुछ खास महसूस हो।'' रश्मि ने कहा, ''मैं टीवी पर कमबैक नहीं ढूंढ रही थीं, मैं किसी मकसद की तलाश में थीं। शो के प्रोड्यूसर सरगुन मेहता और रवि दुबे, दोनों वाकई टीवी पर शानदार काम कर रहे हैं। डायरेक्टर उत्तम भेलावत भी कमाल के इंसान है। कैमरे के पीछे काम करने वाले लोगों को अक्सर दर्शक नहीं जानते, लेकिन किसी कहानी को सही दर्शकों तक पहुंचाने में इन लोगों की भूमिका बहुत अहम होती है।''

अभिनेत्री ने अपने इस इंतजार को लेकर कोई पछतावा भी नहीं जताया। उन्होंने कहा कि अच्छा हुआ कि उन्होंने लंबे समय तक इंतजार किया और अपनी भावनाओं के साथ ईमानदार रहीं। रश्मि का कहना है कि वह कभी भी जल्दबाजी में फैसले नहीं लेतीं और इस बार भी उन्होंने वही किया। उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखाई देना जरूरी नहीं था, बल्कि ऐसा काम करना जरूरी था, जिसे करने के बाद उन्हें लगे कि उन्होंने सही फैसला लिया है।

शो में रश्मि के साथ जान्हवी सोनी और गौतम सिंह विग भी अहम भूमिकाओं में हैं। जान्हवी शो में सानवी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कहा, ''सानवी बहुत प्यार करने वाली और दूसरों की परवाह करने वाली लड़की है, लेकिन उसकी अच्छाई को उसकी कमजोरी समझना सही नहीं होगा। वह अपने लिए और सही बात के लिए खड़े होने की हिम्मत रखती है। वह अपने वादे भी निभाती है, भले ही ऐसा करने के लिए उसे खुद किसी मुश्किल का सामना क्यों न करना पड़े।''

'मैसा' में रश्मिका मंदाना का रफ टफ अंदाज, पिता-बेटी की अनोखी कहानी में करेंगी एक्शन और वार

'मैसा' के मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें रश्मिका मंदाना अब तक के अपने सबसे अलग और अनदेखे अवतार में नजर आ रही हैं। भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया सिनेमाई पेशकश के तौर पर यह एक्शन ड्रामा 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगा। 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'मैसा' में पैन-इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं। अपनी शानदार वर्सेटिलिटी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचानी जाने वाली रश्मिका इस फिल्म में दर्शकों को अपने एक बिल्कुल नए अवतार से चौंकाने के लिए तैयार हैं। शानदार पोस्टर्स और दिलचस्प कंटेंट के जरिए दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ाने के बाद मेकर्स ने अब फिल्म का जोशीले एक्शन से भरपूर टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर में रश्मिका एक उग्र, रफ-टफ और गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जिसे दर्शकों ने इससे पहले कभी नहीं देखा। हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर यह झलक फिल्म की मूल कहानी की ओर भी इशारा करती है—एक शक्तिशाली पिता-बेटी के रिश्ते की कहानी। 'मैसा' पिता-बेटी के रिश्ते को एक नए अंदाज में पेश करती है, जहां भावनाओं, एक्शन और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए सीन्स का शानदार मेल देखने को मिलेगा।

'मैसा' के पीछे की मेहनत

'सीता रामम' में अपने काम के लिए जाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। फिल्म एक ऐसी दिलचस्प दुनिया तैयार करती है, जिसके केंद्र में रश्मिका हैं। टीजर बड़े पैमाने पर तैयार किए गए एक शानदार पैन-इंडिया सिनेमाई अनुभव की झलक देता है, जिसमें रश्मिका अपने दमदार अभिनय और बोल्ड नए अवतार से प्रभाव छोड़ती नजर आती हैं। फिल्म के प्रभाव को और बढ़ाता है मशहूर संगीतकार जेक्स बेजॉय का दमदार संगीत, जिसका इंटेंस स्कोर टीजर की एनर्जी और ड्रामा को एक अलग स्तर पर ले जाता है।

'मैसा' रिलीज डेट

अनफॉर्मुला फिल्म्स की बनाई और रविंद्र पुल्ले की निर्देशित, 'मैसा' आदिवासी इलाकों पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है। फिल्म में शानदार विजुअल्स, रोमांचक कहानी और रश्मिका मंदाना का यादगार प्रदर्शन देखने को मिलेगा। 'मैसा' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेरे लिए सफलता की परिभाषा अपने काम से संतुष्ट होना है

एक कलाकार के लिए सफलता का मतलब समय के साथ बदलता रहता है। करियर की शुरुआत में जहां बड़े सपने अक्सर घर, गाड़ी, नाम और पहचान जैसी चीजों से जुड़े होते हैं, वहीं अनुभव बढ़ने के साथ काम से मिलने वाली खुशी और संतुष्टि ज्यादा मायने रखने लगती है। एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल भी अपने करियर के साथ सफलता को देखने का नजरिया बदलने की बात कहती हैं।

इंटरव्यू के दौरान जब नायला से पूछा कि आप इंडस्ट्री में काम करते हुए सफलता को कैसे परिभाषित करती हैं, तो उन्होंने कहा, करियर की शुरुआत में मेरे लिए सफलता का मतलब बिल्कुल अलग था। शुरुआत में मेरे लिए मुंबई में घर होना, कार खरीदना और दूसरी भौतिक चीजें हासिल करना सफलता का पैमाना था। लेकिन अब मेरे लिए असली सफलता तब है, जब दिनभर सेट पर काम करने के बाद मैं घर लौटूं और मुझे महसूस हो कि मैंने अपना 100 फीसदी दिया है।'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए आज के समय में सफलता की परिभाषा किसी बड़ी चीज को हासिल करने से ज्यादा अपने काम से संतुष्ट होना है। लंबे समय तक सेट पर रहने के बाद जब मैं घर लौटती हूं और मुझे लगता है कि मैंने अपने किरदार और काम के लिए पूरी मेहनत की। यही एहसास मेरे लिए सफलता का बड़ा उदाहरण है। मेरे लिए दिन के आखिर में यह महसूस करना जरूरी है कि मैंने अपना समय सही जगह लगाया और अपना बेस्ट देने की कोशिश की।'' नायला ने कहा, ''दर्शकों को काम पसंद आना सफलता का एक बड़ा हिस्सा होता है। जब लोग मेरे काम को पसंद करते हैं और अभिनय को सराहते हैं, तो मुझे लगता है कि मेरी मेहनत सही दिशा में जा रही है। अब मेरे लिए सफलता सिर्फ वह नहीं है, जो बाहर से दिखाई देती है, बल्कि वह एहसास भी है जो किसी प्रोजेक्ट के बाद मुझे अंदर से मिलता है।''

फातिमा ने फेमिनिज़्म पर की बात

फातिमा सना शेख ने हमेशा खुद को फेमिनिस्ट कहने से परहेज नहीं किया है। 'हुंकार : द रोअर' में एक जांबाज पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने वाली फातिमा ने उस शब्द को लेकर खुलकर बात की, जिसे इंडस्ट्री में आज भी कई लोग कहने से बचते हैं। इस दौरान उन्होंने प्रियंका चोपड़ा जोनस का भी जिक्र किया, जिन्होंने हमेशा इस शब्द को खुलकर अपनाया है। फातिमा कहती हैं, 'फेमिनिज्म को बहुत से लोग एक बुरे शब्द की तरह देखते हैं। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ एक्ट्रेसेस खुद को फेमिनिस्ट नहीं कहतीं। फेमिनिस्ट होने का मतलब यह नहीं है कि मैं किसी पुरुष के अधिकार छीन रही हूं। मैं तो सिर्फ अपने लिए बराबरी के अधिकार मांग रही हूं।' वह प्रियंका चोपड़ा का उदाहरण देते हुए कहती हैं कि खुद को फेमिनिस्ट कहने से दर्शकों का प्यार कम नहीं होता। 'प्रियंका चोपड़ा खुद को फेमिनिस्ट कहती हैं और उनकी बहुत बड़ी मेल फैन फॉलोइंग है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप इस बात को सही तरीके से रखते हैं, तो लोग आपकी बात जरूर सुनेंगे।

जियोहॉटस्टार की इस सीरीज में फातिमा एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रही हैं, जो एक ऐसे मामले की जांच करती है, जिसमें अनीत पड्डा द्वारा निभाया गया एक नाबालिग लड़की का किरदार एक आध्यात्मिक गुरु पर यौन शोषण का आरोप लगाता है। फातिमा इसे अपने करियर के सबसे शानदार और सीख देने वाले अनुभवों में से एक मानती हैं। उनके मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की खास बात यह रही कि मेकर्स ने उन्हें हमेशा बराबरी का दर्जा दिया और उनकी राय को महत्व दिया। बिरला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पर्पल पेबल पिक्चर्स और मंगाटा फिल्म्स के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है।

विक्रम भट्ट की हॉरर फिल्म में बनेगी अहान शेट्टी और आन्या सिंह की जोड़ी

अहान शेट्टी और आन्या सिंह एक बार फिर परदे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' में साथ काम किया था। अब उनकी जोड़ी एक बिल्कुल अलग तरह की फिल्म में दिखाई देगी। फिल्मकार विक्रम भट्ट अपनी चर्चित डरावनी फिल्म सीरीज '1920' की अगली कड़ी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम '1920 : कोल्ड विंटर' बताया जा रहा है। फिल्म में अहान शेट्टी के साथ आन्या भी नजर आएंगी। अन्या के लिए यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि वह पहली बार डरावनी फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। वहीं अहान शेट्टी भी पहली बार किसी अलौकिक डरावनी फिल्म में काम करते दिखाई देंगे। ऐसे में दोनों कलाकारों के लिए यह फिल्म उनके अब तक के काम से काफी अलग होने वाली है। '1920 : कोल्ड विंटर' को विक्रम भट्ट की '1920' सीरीज की छठी फिल्म बताया जा रहा है।

गोविंदा के मामले पर क्या बोले अनुपम खेर निजी जीवन पर दिया सुझाव

अभिनेता अनुपम खेर और गोविंदा ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। एक बातचीत के दौरान अनुपम ने एक्टर की निजी जिंदगी के बारे में काफी कुछ कहा है। इसके अलावा गोविंदा के अभिनय की तारीफ की।

गोविंदा पर क्या बोले अनुपम?

बीते दिनों गोविंदा के व्यक्तिगत जीवन में चल रहीं मुश्किलें चर्चा का विषय रही हैं। अब इस पर हुई बातचीत में अनुपम ने कहा, 'मैं गोविंदा का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह उन बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। मैंने उनके साथ 10-12 फिल्में की हैं। अभिनय, नृत्य और अभिनय में कोई भी उनका मुकाबला नहीं कर सकता।'

निजी जीवन पर कही यह बात

आगे अपनी बातचीत में अनुपम खेर ने कहा, 'आपको अपने निजी जीवन या अपनी आदतों को अपने पूरे जीवन पर हावी नहीं होने देना चाहिए। मुझे उस पर फैसला सुनाने का कोई अधिकार नहीं है। वह अपनी जिंदगी को बेहतर जानता है और वह इससे निपट सकता है।'

वह बोला कॉल बैक करेगा

आगे अनुपम ने कहा, 'मैंने उसे एक बार फोन किया था और उसने कहा कि वह मुझे वापस कॉल करेगा। मैं उसे यह कहना चाहता था कि यह समय भी बीत जाएगा। हर किसी के जीवन में दुखद घटनाएं होती हैं। मुझे नहीं लगता कि समस्या यह है कि उसे खुद को मार्केट करना नहीं आता। मुझे लगता है कि वह अपने आसपास के माहौल और अपने जीवन से उलझ गया है, लेकिन उसने अभी तक हार नहीं मानी है, इसलिए उम्मीद बाकी है। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह फिर से उठ खड़ा हो और जितना काम कर रहा है उससे कहीं ज्यादा काम करे।'

रानी को लेकर सुनीता और गोविंदा में तनाव

जुलाई में गोविंदा ने रानी को अपनी आगामी फिल्म 'रूपा' में नई सह-कलाकार के रूप में मीडिया के सामने पेश किया। उसके बाद कुछ समय पहले वह रानी के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर दिखे। इस पर उनकी पत्नी सुनीता ने मीडिया के सामने नराजगी जताई थी। उन्होंने कहा, 'ये कहावत सुना है कभी, 'विनाश काले विपरीत बुद्धि', उसकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है इसलिए ये सब करता है वो, मैं इस बारे में क्या कहूं?'

सुनीता और गोविंदा की शादी और विवाद

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। कपल के दो बच्चे हैं, टीना और यशवर्धन आहूजा। हाल के महीनों में दोनों के तलाक की अर्जी की खबरों ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इसी बीच गोविंदा के रानी स्वर्णकार के साथ संबंधों को लेकर भी अटकलें लगाई गईं। हालांकि गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने अभिनेता की दूसरी शादी के दावों से इनकार किया है।